वर्ष : 17 ❖ अंक : 299 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 07 जून 2023

रेल बजट को केंद्रीय बजट से जोड़ना केंद्र सरकार की सबसे बड़ी भूल : मोइली 3 | 2047 तक नंबर वन होगा भारत : उपराष्ट्रपति 8

सिडकेओंग टुलकु बर्ड पार्क का सीएम ने किया उद्घाटन

मधु शर्मा

गेजिंग, 06 जून । पश्चिम सिक्किम के यांगथांग निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत अपाने वाले पुरानी दूसरी राजधानी राब्देन्ची परिसर में निर्माण बनाए गए सिडकेओंग टुलकु बर्ड पार्क का आज राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमन्त्री ने उक्त स्थान का भ्रमण किया और विभिन्न प्रजाति के पक्षियों का अवलोकन किया। आज के इस कार्यक्रम में सिक्किम के विभिन्न विभागों के मन्त्री, विधायक तथा अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे। इस बर्ड पार्क से क्षेत्र में पर्यटन के विकास में काफी मदद मिलेगी। नव निर्मित पार्क इतिहास से भी जुड़ा हुआ है। बर्ड पार्क पूर्व छोग्याल राजा सिडकेओंग नामग्याल के नाम से जाना जाता है। सन 1879 से 1914 तक छोग्याल राजा थे। पर्यटक के साथ स्थानीय नागरिकों के लिए यह पार्क कुछ समय पहले ही खोल दिया गया था हालांकि आज मुख्यमंत्री ने इसका विधिवत उद्घाटन किया और वन विभाग को हस्तांतरित किया।

राब्देन्ची में अवस्थित इस पार्क में भारत के साथ ही विश्वभर के 20 से अधिक प्रजाति के पक्षी रखे गए हैं। यह पार्क दो हेक्टेयर जमीन पर फैला है। इस में पक्षियों के लिए विभिन्न प्रकार के निवासस्थानों का भी निर्माण किया गया है। सूखे स्थान पर रहने वाली पक्षियों के लिए अलग घरों का निर्माण किया गया है जबकि जलीय पक्षियों के लिए तालाबों का निर्माण किया गया है। इस स्थान का दृश्य अवलोकन करने वाले रंगीन प्रजाति के पक्षी देखने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

वर्तमान में शैक्षिक केन्द्र के रूप में भी यह बर्ड पार्क रहेगा भविष्य में इस बर्ड पार्क बड़े पर्यटन स्थल में विकसित होने की संभावना है। वर्तमान में भी कई देसी और विदेशी पर्यटक यहां पक्षी देखने आते हैं। यह परियोजना एसकेएम पार्टी के सरकार में आने के बाद शुरू की गई थी। आज के उद्घाटन कार्यक्रम में सिक्किम सरकार के विभिन्न विभागों के मन्त्री, विधायक,बोर्ड और संस्थानों के सलाहकार आदि उपस्थित रहे।

चिवाभंज्यांग सड़क नेपाल से सांस्कृतिक संबंध मजबूत करने में होगी मददगार : सीएम गोले

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 06 जून । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) भारत और नेपाल को जोड़ने के लिए बन रहे चिवाभंज्यांग राष्ट्रीय राजमार्ग को लेकर बैठक की। बैठक में सिक्किम सरकार के आर्थिक सलाहकार डॉ. महेंद्र पी लामा, भारतीय सेना के अधिकारी, सीमा सशस्त्र बल के अधिकारी, सिक्किम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न विभागीय सचिव और गेजिंग और सोरेंग जिलों के जिला कलेक्टरों ने भाग लिया।

बैठक में इस हाईवे के बनने से सिक्किम को क्या फायदे हो सकते हैं और किन बातों से सावधान रहना है, इस पर चर्चा की गई। सलाहकार डॉ लामा ने राज्य के मुख्यमंत्री गोले को राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समन्वय के लिए एक समिति बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने इस कमेटी को पूरा सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी जताई। साथ ही उन्होंने कहा कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण ही इस सड़क का निर्माण संभव हो पाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री गोले की राजनीतिक इच्छाशक्ति की तारीफ की। इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अदृश्य खतरों के प्रति भी सचेत रहना चाहिए।

इस सड़क निर्माण कार्य के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री गोले ने बताया कि राज्य में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की सरकार बनने के बाद राज्य सरकार ने यहां तक 56 करोड़ रुपये की लागत से सड़क का निर्माण कराया है। मुख्यमंत्री गोले ने बताया कि केंद्र सरकार ने इस सड़क को दो लेन बनाने की पहल शुरू कर दी है। उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि राज्य के विकास का उनका सपना पूरा हुआ और उसे और बड़ा आकार दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री गोले ने नीति आयोग की बैठक में इस मामले पर लगातार बात करने, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को व्यक्तिगत रूप से अवगत कराने और इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की सकारात्मक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया।

इसके अलावा मुख्यमंत्री गोले ने यह भी कहा कि इस रूट से सिक्किम को काफी फायदा हो सकता है। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि इस सड़क के बनने के बाद आसपास के क्षेत्रों का पूर्ण विकास होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सुधार हो सकेगा। उन्होंने कहा कि चूंकि नेपाल का पूर्वी क्षेत्र यहां से काफी नजदीक है, इसलिए इस सड़क से यातायात बढ़ेगा। वहीं मुख्यमंत्री तमांग ने इसके लिए सभी से आगे आने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री तमांग ने विश्वास जताया कि यहां से संस्कार और संस्कृति भी साझा की जाएगी।

ज्ञात हो कि देंताम से उत्तरे होते हुए चिवाभंज्यांग की की दूरी 35 किमी है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण सड़क का निर्माण भारत सरकार की सीमा सड़क विकास योजना के तहत 18.75 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। बड़ी-बड़ी चट्टानों, घने जंगलों और नदियों को पार करते हुए अब वाहन चिवाभंज्यांग तक पहुंचने लगी है। गौरतलब है कि उत्तरे से चिवाभंज्यांग सड़क का टेंडर 10 साल पहले 2011 में जारी किया गया था।

दूसरी ओर, पड़ोसी देश नेपाल पहले ही एक सड़क बनाकर चिवाभंज्यांग सीमा क्षेत्र तक ला चुका है। सिक्किम में संरक्षित वनों और क्षेत्रों की उपस्थिति और केंद्र सरकार के वन और पर्यावरण मंत्रालय से एनओसी में देरी के कारण यह सड़क निर्माण कार्य लंबे समय तक विलंबित रहा। पांच साल बाद वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से एनओसी मिलने के बाद उत्तर-चिवाभंज्यांग रोड का

निर्माण युद्ध स्तर पर शुरू किया गया। नतीजा यह हुआ कि आज दोनों देशों की सीमा पर वाहनों का कदम बढ़ना शुरू हो गया है। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और सिक्किम आर्म्ड पुलिस (एसएपी) के जवानों और वन विभाग के कर्मियों को यहां तक सड़क के पहुंचने से कई सुविधाएं मिली हैं। इससे पहले यहां के युवक कठिन परिस्थितियों में घंटों पैदल चलकर चिवाभंज्यांग पहुंचते थे। उन्हें घोड़ों और याक पर सामान, खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक सामान ढोना पड़ता था। अब ये समस्याएं दूर हो गई हैं। इतना ही नहीं, सिक्किम और नेपाल के दोनों ओर के कई लोग चिवाभंज्यांग के रास्ते पैदल ही आते-जाते थे। दोनों देशों की सड़कों के जुड़ने से उन्हें बड़ी राहत मिली है।

दूसरी ओर, सिक्किम के लोगों के पास पूर्वी नेपाल के इलम, फिदिम, ओयम, ताप्लेजंग, चंगथापु और कई अन्य गांवों के लिए छोटी और आसान सड़क संपर्क स्थापित हो गया है। चिवाभंज्यांग भी एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। जहां सबसे बड़ी संख्या में देसी-विदेशी पर्यटक आते रहते हैं। विश्व प्रसिद्ध 'सिंगालिला ट्रेकिंग' भी पर्यटकों द्वारा बर्षें, उत्तरे कालीझार और चिवाभंज्यांग के माध्यम से ट्रेकिंग करके की जाती है। चिवाभंज्यांग पर्यटन की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण स्थल है। मुख्यमंत्री ने चिवाभंज्यांग से लौटते समय सोपाखा में नवनिर्मित तीन मंजिला सोपाखा समाज घर का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर समाज समिति ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

बर्खास्त कर्मचारियों को बहाल करे सरकार : हेमराज अधिकारी

कहा- जरूरत पड़ी तो अदालत भी जाएगी हमारी पार्टी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 06 जून । सिटीन एक्शन पार्टी सिक्किम ने आरोप लगाया कि एक परिवार एक नौकरी योजना के तहत विभिन्न विभागों में कार्यरत सरकारी कर्मचारियों को बिना किसी पूर्व नोटिस और बिना किसी कारण के बर्खास्त कर दिया है। एसएपी ने सरकार के इस कदम को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया और इसकी कड़े शब्दो में निंदा की । सिटीजन एक्शन पार्टी-सिक्किम का मानना है कि सरकार का इस तरह का काम लोकतंत्र और नागरिकों के स्वतंत्र रूप से जीने के प्राकृतिक अधिकार, समान अधिकार का मजाक बना दिया है। यह अत्यंत ही घिनौना निर्णय है।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में एसएपी के प्रवक्ता हेमराज अधिकारी ने कहा कि सिक्किम के नागरिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करना, मानवता की रक्षा करना और संविधान का सम्मान करना सिटीजन एक्शन पार्टी-सिक्किम का सिद्धांत है। इसलिए जब भी और जहां भी सिक्किम के नागरिकों पर अन्याय और अत्याचार होगा इसके खिलाफ सिटिजन एक्शन पार्टी-सिक्किम पहली पंक्ति में खड़ी होगी। श्री अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा तीन सरकारी कर्मचारियों को एक परिवार एक नौकरी के तहत अकारण बर्खास्त किये जाने का विरोध करते हुए पार्टी के मुख्य समन्वयक श्री गणेश राई के नेतृत्व में सिटीजन एक्शन पार्टी-सिक्किम के प्रतिनिधिमंडल कल डीओपी सचिव के कार्यालय पहुंची थी। डीओपी सचिव के कार्यालय से अनुपस्थित रहने के कारण प्रतिनिधिमंडल ने दस दिन का अल्टीमेटम देते हुए अतिरिक्त सचिव को अपना ज्ञापन दिया है। पत्र में दस दिनों के भीतर निष्कासित कर्मचारियों की नौकरी फिर से बहाल करने की बात कही गई है। अगर सरकार दस दिनों के भीतर नौकरी बहाल नहीं करती है तो सिटीजन

एक्शन पार्टी सड़क पर उतरेगी और जरूरत पड़ी तो अदालत का भी दरवाजा खटखटाएगी।

सिटीजन एक्शन पार्टी का गठन सिक्किम और यहां लोगों के कल्याण के लिए किया गया है। सामूहिक नेतृत्व में चलने वाली यह पार्टी नागरिकों के पक्ष में किसी भी हद तक जाने को तैयार है। इसलिए मैं इस बयान के माध्यम से सिटीजन एक्शन पार्टी-सिक्किम का स्पष्ट रुख व्यक्त करना चाहता हूं कि निकाले गए कर्मचारियों की नौकरी जल्द से जल्द वापस की जाए।

सीएम ने किया क्रिटिकल केयर सेंटर का शिलान्यास

मधु शर्मा

गेजिंग, 06 जून । पश्चिम सिक्किम के गेजिंग जिला अस्पताल परिसर में बनने जा रहे क्रिटिकल केयर सेन्टर का आज राज्य के सीएम प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने शिलान्यास व भूमिपूजन किया। 50 पलंग युक्त यह अस्पताल अत्यंत ही आधुनिक ढांचे में बनने जा रहा है। भविष्य में स्थानीय नागरिकों को इससे काफी फायदा होगा।

करबीब 16 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस अस्पताल में सभी आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। आज इस शिलान्यास तथा भूमि पूजन कार्यक्रम में सिक्किम सरकार के कृषि मन्त्री तथा क्षेत्र विधायक लोकनाथ शर्मा, मन्त्री भीमहांग सुब्बा, मन्त्री संजीत खरेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

SBI

भारतीय स्टेट बैंक
केंद्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट सेन्टर, मुंबई
फोन : 022-22820427; ई-मेल आयडी: crpd@sbi.co.in

भारतीय स्टेट बैंक में नियमित और संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

नियमित और संविदा आधार पर भारतीय नागरिकों से निम्नांकित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

अनु क्र.	पद	रिक्ति
	CRPD/SCO/2023-24/09	
1	सहायक महाप्रबंधक (मार्केटिंग) / मुख्य प्रबंधक (मार्केटिंग)	18
2	वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रमुख (मार्केटिंग)	1
	CRPD/SCO/2023-24/10	
3	उपाध्यक्ष (परिवर्तन)	1
4	वरिष्ठ विशेष कार्यकारी – प्रोग्राम प्रबंधक	4
5	वरिष्ठ विशेष कार्यकारी (इनबाउंड और आउटबाउंड) – गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण	1
6	वरिष्ठ विशेष कार्यकारी – कमांड सेंटर	3

नियमित पद: अनु क्र. 1. **संविदात्मक पद: अनु क्र. 2 से 6.**

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षिक योग्यता, अनुभव आदि) के लिए, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi/web/careers पर लॉग इन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए, विस्तृत विज्ञापन पढ़ें.

- **ऑनलाइन आवेदन करने और शुल्क के भुगतान की तिथि : 01.06.2023 से 21.06.2023 तक**

कोई भी प्रश्न पूछने के लिए कृपया **"CONTACT US" → "Post Your Query"** के माध्यम से हमें लिखें, जो बैंक की आधिकारिक वेबसाइट वेबसाइट पर उपलब्ध है.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 01.06.2023 — महाप्रबंधक (आरपी एवं पीएम)

सीएम नीतीश ने हज यात्रियों की रवानगी के पूर्व आयोजित दुआईया मजलिस में की शिरकत, बोले- आप सब खुशकिस्मत

'हिन्दू-मुस्लिम में हम फर्क नहीं मानते हैं'

पटना, 06 जून (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हज यात्रियों की रवानगी के पूर्व हज भवन में आयोजित दुआईया मजलिस में शिरकत की। इस दुआईया मजलिस कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान एवं बिहार राज्य हज कमिटी के चेयरमैन अब्दुल हक ने मुख्यमंत्री को फूलों का गुलदस्ता, टोपी एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

दुआईया मजलिस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के इस अवसर पर मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूँ। हज यात्रियों की रवानगी के लिये कार्यक्रम आयोजित होता है। मुझे अनेक बार इस कार्यक्रम में आने का मौका मिला है। इस कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। पिछले दो वर्षों 2020 और 2021 में कोरोना के कारण हज यात्रा में लोग नहीं जा सके थे। पिछले वर्ष 2022 में कम लोग ही हज यात्रा पर गये थे क्योंकि 65 साल से अधिक उम्र के लोगों को हज यात्रा पर जाने की इजाजत नहीं थी। इस बार 5,638 हज यात्री पवित्र हज यात्रा पर जा रहे हैं, इनमें 2,399 महिलायें शामिल हैं। पहले कभी हमने हज यात्रियों की इतनी बड़ी संख्या नहीं देखी थी। इस बार बड़ी संख्या में महिलायें भी हज यात्रा पर जा रही हैं, यह काफी खुशी की बात है। मैं सभी हज यात्रियों को मुबारकबाद देता हूँ। हज यात्रा पर जिन लोगों को जाने का अवसर मिलता है, उन्हें पहले से ही शुभकामनायें मिल गयी होती हैं। आप सभी जो हज यात्रा पर जा रहे हैं, आपको बहुत आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। आप सभी वहाँ परिवार के साथ-साथ बिहार और देश की तरक्की के लिये दुआ करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भी वहाँ जा चुके हैं। यह अलग बात है कि मुझे अंदर जाने का मौका नहीं मिला। आप सभी समाज में भाईचारा और अमन-चैन कायम होने की दुआ करेंगे। कुछ लोग बेमतलब झंझट पैदा करने की कोशिश में लगे रहते हैं। संविधान में जो उल्लेखित नहीं है, आज कल वह बातें भी हो रही है। देश का इतिहास और आजादी की बातें बदलने की कोशिश हो रही है। देश सुरक्षित रहे, इसके लिये भी आप सभी दुआ कीजियेगा। हमलोग सर्वसमाज और सर्वधर्म के उत्थान के लिये काम करते रहे हैं। आपस में प्रेम और भाईचारे का माहौल कायम रहे, इसके लिये भी हमलोगों ने प्रारंभ से ही काम किया है। आज कल माहौल बिगाड़ने की कोशिश हो रही है। आप सभी सचेत रहें, आपस में विवाद और झगड़ा नहीं होना चाहिये। आप सभी मिलकर आगे बढ़ें। मुस्लिम समुदाय के लोग भी यहीं के हैं, वे बाहर से नहीं आये हैं, बचपन में ही हमारे पिताजी ने यह बात बतायी थी। हिन्दू-मुस्लिम में हम फर्क नहीं मानते हैं। सभी एकजुट रहकर अपने-अपने धर्म का सम्मान करें, हम यही चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बाद आप सभी अब जब बाहर जाते हैं तो लोग कितनी प्रशंसा करते हैं। मेरी इच्छा है कि आप सभी अच्छे काम के प्रति लोगों को प्रेरित करते रहें। मैं बिहार राज्य हज कमिटी के अध्यक्ष और सदस्यगणों को धन्यवाद देता हूँ। हम तो सब दिन यहाँ आते रहे हैं। इस बार 5,638 लोग हज यात्रा पर जा रहे हैं। इतने बेहतर ढंग से आप सभी यात्रा करें कि अगली बार हज यात्रियों की संख्या में और अधिक इजाफा हो। आप सभी का जीवन बेहतर हो, परिवार खुशहाल रहे। बिहार और देश आगे बढ़े, इसके लिये आप सभी दुआ करें। जिन लोगों को वहाँ जाने का अवसर मिलता है, वहाँ उनको बहुत लाभ होता है। आज कल मोबाइल के चक्कर में ज्यादा लोग पड़े हुये हैं। पूजा-पाठ में भी इसका इस्तेमाल करने लगे हैं। मेरा आग्रह है कि आप सभी मोबाइल के चक्कर में ज्यादा मत रहिये। यह ऐसी चीज है जो धरती को खत्म कर देगा। जरूरत के हिसाब से ही इसका इस्तेमाल करें। अपनी बातों को कागज पर रखें तो बेहतर होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी हज यात्रा पर जा रहे हैं, वह काफी महत्वपूर्ण एवं पवित्र स्थल है। आप सभी को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसे ध्यान में रखते हुये 15 सरकारी लोगों को आपसी समन्वय के लिये लगाया गया है। आप सभी को सफलता मिले। उन्होंने कहा कि हज भवन काफी बेहतर ढंग से बना हुआ है। यहां सभी तरह के इंतजाम किये गये हैं। हज यात्रा पर जाने वाले लोगों को यहाँ रहने एवं खाने का इंतजाम भी किया गया है। आप लोगों को गया एयरपोर्ट से जाना है। हर प्रकार के इंतजाम किये गये हैं ताकि आप लोगों को असुविधा न हो। आप सभी सही समय पर पहुँचकर दुआ करें, यही हमारी शुभकामनायें हैं। मैं आप सभी का पुनः अभिनंदन करता हूँ।

दुआईया मजलिस को उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी एवं बिहार राज्य हज कमिटी के चेयरमैन अब्दुल हक ने भी संबोधित किया। सांसद चौधरी महबूब अली कैसर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर सूचना एवं प्रावैधिकी मंत्री इसराइल मंसूरी, विधि मंत्री शमीम अहमद, आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज, विधायक शकील अहमद खान, विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहिन, विधान पार्षद खालिद अनवर, बिहार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष मो0 इरशादुल्लाह, बिहार राज्य सिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैयद अफजल अब्बास, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव मो सोहैल, बिहार राज्य हज कमिटी के पूर्व चेयरमैन मो0 इलियास हुसैन उर्फ सोनू बाबू, बिहार राज्य हज कमिटी के पूर्व सदस्य ई शमीम अहमद सहित बिहार विधानमंडल के सदस्यगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य गणमान्य व्यक्ति, आजमीन ए हज एवं बिहार राज्य हज कमिटी से जुड़े लोग उपस्थित थे।

पटना और रांची के बीच दौड़ेगी 'वंदे भारत', 8 बोगियां बिहर पहुंचीं

पटना, 06 जून (का.सं.)। बिहार और झारखंड के लिए मंगलवार को अच्छी खबर आई। अब बिहार और झारखंड के लोग वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के जरिए यात्रा कर सकेंगे। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की बोगियां पटना पहुंच रही हैं। इसके बाद जल ही राजधानी पटना से रांची के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पटरी पर दौड़ती दिखेगी। इस ट्रेन की 8 बोगियां मंगलवार को पटना के राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन स्थित कॉम्ख्रलेक्स पहुंचेंगी। इसके बाद इस ट्रेन का ट्रायल रन कराया जाएगा। ट्रायर सफल होने पर 'वंदे भारत' के परिचालन की तारीख तय होगी।

मिली जानकारी के मुताबिक, जून महीने के दूसरे वीक में वंदे भारत ट्रेन को चलाने का प्लान है। इस ट्रेन के पटरी पर दौड़ने से पहले राजधानी पटना से रांची तक के ट्रेक को सुरक्षा मानकों के तहत दुरुस्त किया जा रहा है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि यह ट्रेन मेन लाइन से पटना लाई जा गई है। पटना-रांची रूट के लिए 8 बोगियों वाले रैक के अलॉटमेंट किया गया है। उन्होंने बताया कि पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की तारीख की घोषणा ट्रायल रन और ट्रेक का काम कम्प्लीट होने की बाद की जाएगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस से पटना से रांची के बीच की दूरी कम हो जाएगी। इस दूरी को महज 6 घंटे में पूरी किया जाएगा। वंदे भारत ट्रेन की बोगियां चेन्नई से पटना लाई गई हैं। रेल सूत्रों के मुताबिक, वंदे भारत का एक दो दिन बाद ट्रायल किया जाएगा। इसके बाद 15 जून के आसपास से सामान्य यात्री परिचालन के रूप से शुरू किया जा सकता है। बिहार और झारखंड के बीच की यह पहली वंदे भारत होगी।

रोजगार खत्म कर रही सरकार, गरीब और भी गरीब हो रहे हैं : जेडीयू

पटना, 06 जून (का.सं.)। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में गरीब और गरीब होते जा रहे हैं। अमीर और ज्यादा अमीर होते जा रहे हैं। अडानी की स्थिति मजबूत हो रही है और किसानों की स्थिति खराब। आज देश में पूंजीपतियों की सरकार है। अडाणी जैसे उद्योगपति दिनों-दिन और अमीर होते जा रहे हैं। जबकि किसानों की आय आज तक दोगुनी नहीं हो पाई।

उन्होंने कहा कि आज देश में महज एक फीसदी लोगों के पास 40 फीसदी पैसा है। जबकि 50 फीसदी के पास महज 3 फीसदी पैसा। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता डॉ. भारती मेहता, प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा और प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक झा भी मौजूद रहे। कहा कि गरीबों को भोजन-अनाज देकर उसका रोजगार खत्म कर रहे हैं। वह कमा कर खाए तो आत्मसम्मान मिलता लेकिन उसको इसलिए खाना दे रहे कि वह वोट देगा, यह गलत है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमजोर करने को कोशिश लगातार जारी है। यही स्थिति रही तो देश में पूरी तरह से डिक्टेटरशिप हो जाएगा। कहा कि सरकार कैसे काम कर रही है कुछ समझ में ही नहीं आ रहा है। मीडिया पर अघोषित सेंसरशिप लागू कर दिया गया है और मीडिया को खुलकर अपनी बात रखने की इजाजत नहीं है।

उन्होंने कहा कि 180 देशों के वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में आज भारत का स्थान 160 वां हो गया है जबकि इससे पहले साल 2021 में भारत का स्थान 141वां था वहीं साल 2022 में उसका स्थान150 वां था।

राजीव रंजन ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की गलत नीतियों के चलते महंगाई चरम पर है। पेट्रोलियम पदार्थों की दरों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार में एक प्राइस मेकेनिज्म की नीति लागू की गई जिसमें अंतर्राष्ट्रीय दरों के आधार पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें तय की जाती हैं। लेकिन मौजूदा सरकार ने सत्ता संभालने के कुछ दिनों तक इस व्यवस्था को लागू किया और फिर इस नीति को भूल गई।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की वर्तमान कीमत आज 40 फीसदी तक कम है लेकिन इसके बाद भी केंद्र की मोदी सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं घटा रही है और कई राज्यों में पेट्रोल की कीमतें सौ रुपए प्रति लीटर से ज्यादा है। केंद्र सरकार की गलत नीतियों के चलते आम लोग पिस रहे हैं और महंगाई की मार से परेशान हैं। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महज आंकड़ों की बाजीगरी दिखाकर लोगों को बेवकूफ बना रही है जबकि देश की हकीकत कुछ और है।

नीतीश की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री राहत कोष न्यासी पर्षद की 22वीं बैठक संपन्न, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

पटना, 06 जून (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मुख्यमंत्री राहत कोष न्यासी पर्षद की 22वीं बैठक सम्पन्न हुई। मुख्यमंत्री राहत कोष न्यासी पर्षद की बैठक में मुख्यमंत्री राहत कोष से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी एवं चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार ने न्यासी पर्षद की 21वीं बैठक की हुई कार्यवाही का अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और बताया कि हर बिंदु पर कार्यवाही का अनुपालन कर लिया गया है। मुख्यमंत्री राहत कोष की लेखा में प्राप्त राशि, वितरित राशि एवं शेष जमा राशि का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि 10 बाढ़ प्रभावित जिलों में 100 बाढ़ आश्रय स्थल के निर्माण हेतु अब तक 64 करोड़ 57 लाख 26 हजार 582 रुपए निर्गत की जा चुकी है। 58 बाढ़ आश्रय स्थलों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से आपदा की स्थिति में लोगों की मदद की जाती है। इसके अलावा विविध कार्यों में लोगों की मदद की जाती है। इससे लोगों की काफी सहायता होती है। कोरोना वायरस से मृत्यु होने पर मृतक के आश्रितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 4 लाख रूपये की राशि की मदद दी गयी। मुख्यमंत्री राहत कोष की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों में बाढ़ पीड़ितों को बर्तन, वस्त्र आदि के मद में 600 रुपये प्रति व्यक्ति की दर से मदद दी जाती है, इसे अब बढ़ाकर 1000 रूपये कर दें। बाढ़ के दौरान राहत शिविरों में लड़की के जन्म लेने पर 15 हजार रुपये एवं लड़के के जन्म लेने पर 10 हजार रुपये का भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि शेष बचे बाढ़ आश्रय स्थलों का निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करें।

बैठक में आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य प्रत्यय अमृत, अपर मुख्य सचिव वित्त सह मंत्रिमंडल सचिवालय डॉ एस सिद्धार्थ, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा दीपक कुमार सिंह, महामहिम राज्यपाल के प्रधान सचिव आरएल चौथू, सचिव, आपदा प्रबंधन संजय कुमार अग्रवाल एवं मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार उपस्थित थे।

विराट रामायण मंदिर का निर्माण 20 जून से होगा शुरु

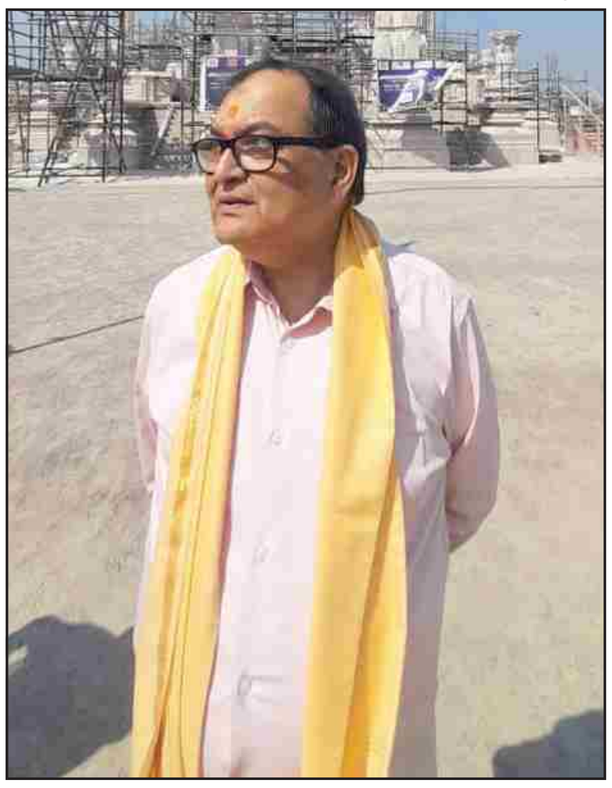

पटना, 06 जून (का.सं.)। पूर्वी चंपारण के केसरिया में बन रहे विराट रामायण मंदिर को अंकोरवाट (कंबोडिया) की तर्ज पर बनाया जाएगा। यह अंकोरवाट मंदिर से भी दुगना ऊंचा बनेगा। इस बात की जानकारी पटना के महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव आचार्य किशोर कुणाल ने दी है।

आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि केसरिया में 3.76 लाख वर्गफुट में कुल 22 मंदिर बनाए जाएंगे। इसमें 12 शिखर और 3 ब्लॉक होंगे। मुख्य शिखर 270 फीट ऊंचा होगा। 20 जून से काम की शुरुआत हो जाएगी और 27 फरवरी 2025 तक मंदिर की स्थापना कर दी जाएगी।

विराट रामायण मंदिर में पाइलिंग का काम सनटेक इन्फ्रा के श्रवण कुमार झा, भास्कर मजूमदार और नीरज चौधरी करेंगे। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि विराट रामायण मंदिर में कुल 3102 पिलर होंगे। पाइलिंग कार्य में 1050 टन स्टील और 15 हजार क्यूबिक मीटर कंक्रीट की खपत होगी। निर्माण में लगनेवाले सामान महावीर मंदिर उपलब्ध कराएगा।

किशोर कुणाल ने बताया कि एजेंसी बिना किसी एडवांस पेमेंट के कार्य करेगी। कार्य के आधार पर भुगतान किया जाएगा। वहीं मंदिर निर्माण समिति के सचिव ललन सिंह ने बताया कि दस वर्षों के निरंतर प्रयास से जमीन का प्रबंध किया गया है। अब आगे का कार्य शुरू किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि शिवरात्रि से पहले मंदिर बनाने की हमारी योजना है। मंदिर में जो भी काम होंगे उसके लिए बेस्ट क्वालिटी की मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा। मंदिर बहुत ही सुंदर ढंग से तैयार किया जाएगा। इसकी साजसज्जा में 2 साल का वक्त और लग जाएगा। 20 जून को पटना से 2 बसों का प्रबंध किया जाएगा। जो भी लोग इच्छुक हों वो पटना से चंपारण जा सकते हैं।

सीएम नीतीश के ड्रीम प्रोजेक्ट को फिर से बनाया जाएगा : तेजस्वी

सीबीआई जांच पर बोले तेजस्वी यादव- सीबीआई इंजीनियर नहीं

पटना, 06 जून (का.सं.)। भागलपुर में अगुवानी-सुल्तानगंज को जोड़ने वाली निर्माणाधीन पुल गिरने पर बिहार सरकार की लगातार फजीहत हो रही है। इस मामले में राज्य सरकार भी अब कार्रवाई के मूड में दिख रही है। सरकार ने कंस्ट्रक्शन कंपनी को नोटिस जारी किया है। साथ ही पुल के आगे के निर्माण कार्य में जो खर्च आएगा वो भी कंपनी से लेने का निर्णय लिया गया है।

पथ निर्माण मंत्री और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने साफ कर दिया है कि इस पुल का निर्माण अब नए सिरे से किया जाएगा। इसके निर्माण में जो भी खर्च आएंगे, वह कंपनी को ही देना होगा।

बता दें कि विपक्ष लगातार इस घटना की जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज या फिर सीबीआई से कराने की मांग कर रहा है, लेकिन डिप्टी सीएम ने हादसे की जांच से साफ मना कर दिया है। उन्होंने कहा- सीबीआई वाले इंजीनियर हैं क्या।

खगड़िया पुल हादसे पर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा- जब मैं नेता प्रतिपक्ष था, उसी वक्त मैंने इस मामले को उठाया था। पुल की क्वालिटी पर मुझे पहले से संदेह था। आईआईटी रुड़की की रिपोर्ट आने के बाद अब नए सिरे से पुल का निर्माण कराया जाएगा। नए पुल के निर्माण में जो राशि खर्च होगी वह कॉन्ट्रेक्टर से ही लिया जाएगा। हमने नवंबर-दिसंबर में समीक्षा के बाद काम रोकने का स्पष्ट निर्देश दिए थे।

उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि विरोधी क्या बोलते हैं, उससे कोई लेना-देना नहीं है। कुछ नहीं कहना है। जांच में सब कुछ स्पष्ट है। सीबीआई वाले इंजीनियर तो हैं नहीं। यह बिहार सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। पुल गिरने के लिए जो दोषी होंगे, उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। 50 के लगभग सेगमेंट हैं। सभी को तोड़कर नए सिरे से पुल का निर्माण होगा।

पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि एजेंसी को शो-कॉज किया गया है। अगुवानी घाट साइड में बचे एक और स्पैन को तुरंत तोड़ने और एजेंसी को गंगा नदी से 15 दिनों में मलबा हटाने का निर्देश दिया है। दो सदस्यीय टीम जांच कर रही है। जल्द जांच रिपोर्ट आएगी और कार्रवाई की जाएगी। नया डीपीआर तैयार होगा। नए सिरे से निर्माण होगा। तेजी से काम होगा। कुछ लोगों की नियुक्ति भी हुई है। आईआईटी रूड़की की टीम और संवेदक से भी कागजात मांगे गए हैं। सभी को देखा जाएगा। जल्द से जल्द जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दिया जाएगा।

पुल गिरने के बाद विपक्षी पार्टी की ओर से सीबीआई जांच की मांग की जा रही है। बीजेपी की मांग पर बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि यही पुल जब नितिन नवीन के समय में गिरा था, तब सीबीआई जांच हो गई थी क्या?

ताबड़पफोड़ फायरिंग, अपराधियों ने प्रॉपर्टी डीलर को गोलियों से भूना

मुजफ्फरपुर, 06 जून (नि.सं.)। मुजफ्फरपुर में बेखौफ़ अपराधियों ने एक जमीन व्यवसाई को गोली मारकर हत्या कर दी है। अपराधियों ने जमीन व्यवसायी पवन श्रीवास्तव को पांच से छह गोली मारी है। वहीं मौके से एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया है। घटना कांटी थाना क्षेत्र के मियां पकड़ी की है, जहां कांटी थाना क्षेत्र के ही फतेहपुर के रहने वाले जमीन कारोबारी पवन श्रीवास्तव जमीन मामले को लेकर बैठक करने पहुंचा था।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पवन और कुछ लोग पकड़ी गांव के निकट एक खेत के पास जमीन को लेकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान एक अपराधी ने पवन को पकड़कर सिर में गोली मार दी। फिर और गोलियां उनके चला दीं। पवन के शरीर के अन्य हिस्सों में भी कई गोली लगी हैं। गोली लगते ही पवन लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं आसपास के लोग मौके पर जुट गए और एक आरोपी को पकड़ लिया और पीटना शुरू कर दिया। वहीं अन्य आरोपी भागने में सफल रहे। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया और अपने साथ ले गई। पिटाई से आरोपी घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मचा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटनास्थल पर सैंकड़ों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने लोगों को समझाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच ले गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रेल बजट को केंद्रीय बजट से जोड़ना केंद्र सरकार की सबसे बड़ी भूल : मोइली

'नैतिक आधार पर वैष्णव को रेल मंत्री के पद से देना चाहिए इस्तीफा'

नई दिल्ली, 06 जून (एजेन्सी)। पिछले सप्ताह ओडिशा के बालासोर में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे के बाद विपक्ष सरकार के खिलाफ हमलावर है। कांग्रेस ने जहां पहले विरोध करते हुए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफा मांगा था वहीं, अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने 2017 में रेल बजट को केंद्रीय बजट से जोड़ने के सरकार के फैसले पर सवालिया निशान खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि रेल बजट को केंद्रीय बजट से अलग रखा जाना चाहिए। 2017 से रेल बजट को केंद्रीय बजट से जोड़ने की शुरुआत करना एनडीए सरकार की बड़ी भूल है।

केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए मोइली ने कहा कि वे बुलेट ट्रेन की बात कर रहे हैं, जबकि न तो बुनियादी चीजों में सुधार किया गया है और न ही पर्याप्त आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने आगे कहा कि रेल बजट को केंद्रीय बजट के साथ जोड़ने से रेलवे का ध्यान भटक गया है। यह एनडीए सरकार द्वारा की गई एक बड़ी भूल है। सुरक्षा और आधुनिकीकरण को ध्यान में रखे बिना केवल हाई-स्पीड ट्रेनों पर ध्यान केंद्रित करना जल्दबाजी में उठाया गया कदम है। पहले की तरह रेल बजट को अलग रखना आवश्यक है।

इस दौरान उन्होंने यह भी मांग की कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। रेलवे तेज आवाजाही और विशाल नेटवर्क के साथ मजबूत परिचालन पारिस्थितिकी तंत्र का हकदार है। ऐसा नेटवर्क सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। इसके लिए सरकार को बुनियादी ढांचे के सुधार पर ध्यान देना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि आम बजट में आने के बाद से रेलवे अपने हिस्से की सुरक्षा निधि सृजित करने में सक्षम नहीं है। हमें उनके राजस्व में विविधता लाने, बजटीय आवंटन बढ़ाने और इसका उचित और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

ओडिशा के बालासोर के शुक्रवार को बहनागा बाजार में ट्रेन हादसा हो गया था। रेल हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या 278 हो गई है। वहीं, 1100 लोग घायल हुए हैं। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायलों को दो लाख रुपये और अन्य घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हालातों का जायजा लेने खुद ओडिशा पहुंचे थे। पीएम ने घायलों और मृतकों के परिजनों से बात की थी। इस मामले में एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है और सीबीआई हादसे की जांच कर रही है।

चुनौतियों का सामना कर रहे विकासशील देश : जयशंकर

नई दिल्ली, 06 जून (एजेन्सी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि दुनिया आज कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जो लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही हैं और विकासशील देश इसका विशेष शिकार रहे हैं।

उन्होंने सोमवार शाम नामीबिया के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री नेटुम्बो नंदी नदितवाह के साथ विंडहोक में पहली भारत-नामीबिया संयुक्त आयोग की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, आज जब हम मिल रहे हैं, हम दुनिया से अनजान नहीं हो सकते हैं, उन चुनौतियों से अनजान नहीं हो सकते, जिनका सामना कर रहे हैं और वे हमारे लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। विकासशील देश इसका विशेष शिकार रहे हैं।

जयशंकर ने कहा, जलवायु परिवर्तन की पारिस्थितिक, आर्थिक और सामाजिक लागतों के अलावा, उच्च ब्याज दरों, तनावपूर्ण भू-राजनीतिक स्थितियों के साथ ऋण संकट के साथ संयुक्त महामारी के बाद उत्पन्न स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, तो निश्चित रूप से यह समय है, हमारे जैसे देशों के लिए एक साथ काम करने का, एक साथ सोचने का, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सहयोग करने का। लेकिन यह एक मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी बनाकर सबसे अच्छा किया जाता है।

विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि संयुक्त आयोग विचारों, नवाचारों, कौशल और प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच बन जाएगा और हम फार्मास्यूटिकल्स और स्वास्थ्य, हरित और स्वच्छ ऊर्जा जैसे कई क्षेत्रों में देखेंगे, क्योंकि हम भी डिजिटल युग में तेजी से हरित हाइड्रोजन में शामिल हो रहे हैं।

जयशंकर ने कहा, आज एक अनूठा और महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि संयुक्त आयोग, जो हमारे संबंधों को आगे बढ़ाएगा, जो स्पष्ट रूप से हमारे द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा और मूल्यांकन करेगा, नए के साथ आएगा। निश्चित रूप से आने वाले समय में हमारी साझेदारी को बेहतर ढंग से नेविगेट करने में हमारी मदद करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि भारत-नामीबिया संबंध हमारे विकासात्मक सहयोग, हमारे क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और हमारी राजनीतिक एकजुटता में बने हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम एक साथ आगे बढ़ें, विकसित हों और समृद्ध हों।

सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ में 3 जवान शहीद

इंफाल, 06 जून (एजेन्सी)। मणिपुर के सेरो में सुरक्षाबलों और उग्रवादियों के एक समूह के बीच 5-6 जून की दरमियानी रात एक बार फिर गोलीबारी की खबर सामने आई है।

मणिपुर में संदिग्ध उग्रवादियों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक और असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए। काकचिंग जिले के सेरो में सोमवार रात तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि असम राइफल्स के घायल जवानों को इम्फाल के मंत्रीपुखरी ले जाया गया।

प्रारंभिक तलाशी के दौरान, क्षेत्र से दो एके राइफलें, एक 51 मिमी मोर्टार, दो कार्बाइन, भारी मात्रा में गोला-बारूद और युद्ध के सामान बरामद किए गए हैं।

सूत्रों ने कहा, असम राइफल्स, बीएसएफ और मणिपुर पुलिस द्वारा सुगनू और सेरोउ क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया गया। सुरक्षा बलों और विद्रोहियों के बीच रात भर रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। सुरक्षा बलों ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

इस बीच, एक रक्षा विज्ञप्ति में कहा गया है कि पिछले 48 घंटों में सुगनू और सेरौ में हिंसा, आगजनी और गोलीबारी की कई घटनाओं के कारण अतिरिक्त सैनिकों की फिर से तैनाती की आवश्यकता है।

सैनिकों को हिंसा को रोकने के उपायों को बढ़ाने का काम सौंपा गया था।

सोमवार को मणिपुर में जातीय संघर्ष छिड़ने के बाद भी सुगनू तुलनात्मक रूप से शांतिपूर्ण था।

हालांकि 2 जून को, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक के. रंजीत के घर के साथ-साथ कई अन्य आवासों में आग लगा दी।

सेरौ के सभी घर पूरी तरह से जल गए हैं और लोग सुगनू में शरण ले रहे हैं।

घरों में आग लगने के बाद इलाके के लोगों ने एक कुकी उग्रवादी समूह के शिविर पर हमला शुरू कर दिया।

सीएम ने फोरेस्ट गेस्ट हाउस का किया उद्घाटन

सरोज गुरुंग

देंताम, 06 जून। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज भारत-नेपाल सीमा पर चिवाभंज्यांग में नवनिर्मित फोरेस्ट गेस्ट हाउस का उद्घाटन किया। वन विभाग के अधीन बना यह खुला चिवाभंज्यांग फोरेस्ट गेस्ट हाउस 11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। अतिथि गृह सिम्फोक, सोपाखा, काजी बरखे, थमदंडा, गेल्चे, भट्टराईडांडा, सुंगुरे, ओड़ते चौक, भलुवाले और डबुवाखोला, घुमती चौक और चित्रे से चिवाभंज्यांग होते हुए उत्तर की ओर से बनाई गई नई सड़क पर स्थित है।

अतिथि गृह के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा को चिवाभंज्यांग से जोड़ने से दोनों देशों के बीच शिक्षा, बहुआयामी आर्थिक गलियारे, पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास में काफी लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने आज चिवाभंज्यांग सीमा पर सेवारत सिक्किम आर्म्ड पुलिस (एसएपी) और सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के जवानों से भी बातचीत की और वहां की समस्याओं को सुनने के बाद आश्वासन दिया कि सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेगी और उनके समाधान के लिए तत्काल कदम उठाएगी। गेस्ट हाउस का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने चिवाभंज्यांग में सिक्किम आर्म्ड पुलिस क्वार्टर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार क्वार्टर की मरम्मत के साथ-साथ आवश्यक सामग्रियां भी उपलब्ध कराएगी।

उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्रीगोले के साथ वन विभाग के मंत्री कर्मा लोडे भूटिया, मंत्री, विधायक, लोकसभा सांसद, सलाहकार, प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश के आला अधिकारी मौजूद थे।

11 जून को 'आप' की रैली में जुटेंगे लाखों लोग, मंत्री गोपाल राय ने दिल्लीवासियों को भिजवाया निमंत्रण पत्र

नई दिल्ली, 06 जून (एजेन्सी)। आगामी 11 जून को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली को लेकर आम आदमी पार्टी ने डोर टू डोर अभियान तेज कर दिया है। मंगलवार को आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय भी डोर टू डोर अभियान में शामिल हुए।

सिविल लाइन में डोर टू डोर अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने केंद्र के अध्यादेश को लेकर लोगों से बात की और अध्यादेश के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए महारैली में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलट कर उसकी अवमानना की है। अगर आज हम इस अध्यादेश के खिलाफ एकजुट होकर खड़े नहीं हुए तो लोगों को वोट देने का लोकतांत्रिक अधिकार भी नहीं बचेगा।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को डोर टूट डोर अभियान के दौरान कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली के मतदाताओं की शक्ति को संरक्षित करते हुए चुनी हुई सरकार को दिल्ली की व्यवस्था को संचालित करने का अधिकार देने का फैसला दिया था। कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली के लोगों को लगा था कि अब विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने में सहायता मिलेगी, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री द्वारा अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना की गई और दिल्लीवालों के अधिकारों को हाईजैक कर लिया गया। केंद्र सरकार के इस फैसले से दिल्ली के लोग स्तब्ध और दुखी हैं। दिल्ली की जनता आज पूछ रही है कि उनके वोट की कीमत को अपमानित क्यों किया जा रहा है?

उन्होंने कहा कि इस तानाशाही पूर्ण अध्यादेश के खिलाफ अपने आक्रोश को व्यक्त करने के लिए 11 जून को रामलीला मैदान में महारैली का आयोजन किया जा रहा है।

प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में हर मंडल स्तर पर महारैली मंडल कमिटी बनाई गई है। अब तक दो हजार मंडलो की बैठक की जा चुकी है और पूरी दिल्ली में डोर टू डोर अभियान चलाया जा रहा है। डोर टू डोर कैंपेन के दौरान पैम्पलेट बांटे जा रहे हैं। इसके एक तरफ महारैली का आमंत्रण पत्र है और दूसरी तरफ महारैली आयोजित करने के कारण का उल्लेख किया गया है। आप कार्यकर्ता इस पैम्फलेट को लेकर घर-घर जा रहे हैं, और सभी दिल्लीवासियों को इस महारैली के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस महारैली के लिए पूरी दिल्लीवासियों का समर्थन मिल रहा है। भाजपा के समर्थकों के मन में भी यह सवाल उठ रहा है कि वो भी वोट देते हैं लेकिन बार-बार उनके वोट की कीमत को भी कम क्यों आंका जाता है। इसलिए आप के कार्यकर्ता घर-घर जा रहे हैं। गोपाल राय ने कहा कि अगर आज हम इस अध्यादेश के खिलाफ एकजुट होकर खड़े नहीं हुए तो लोगों को वोट देने का लोकतांत्रिक अधिकार नहीं बचेगा। क्योंकि भाजपा की केंद्र सरकार तानाशाही पर उतारू है। भविष्य में यह संभव है कि केंद्र की सरकार फिर कोई अध्यादेश लाकर दिल्ली की सरकार ही खत्म कर देगी। गोपाल राय ने विश्वास के साथ कहा है कि केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ दिल्लीवासियों के साथ विशाल रैली होगी। लोगों में यह डर है कि यदि सुप्रीम कोर्ट के फैसले की भी अवमानना होती तो वो दिन दूर नहीं, जब भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा लोकतंत्र की गरिमा पर सीधा प्रहार किया जाएगा।

बालासोर ट्रेन हादसे की सीबीआई जांच मात्र सुर्खियों में रहने का प्रयास : जयराम

नई दिल्ली, 06 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बालासोर रेल हादसे की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की सरकार की घोषणा सिर्फ 'हेडलाइन मैनेजमेंट' है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने वर्ष 2016 में कानपुर के निकट हुए एक रेल हादसे का उल्लेख करते हुए कहा कि उस मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराए जाने की घोषणा की गई थी, लेकिन आज तक पता नहीं चल पाया कि उस जांच का नतीजा क्या निकला।

उन्होंने दावा किया कि बालासोर रेल हादसे के मामले में रेलवे सुरक्षा आयुक्त की ओर से रिपोर्ट सौंपे जाने से पहले ही सीबीआई जांच का ऐलान कर दिया गया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार की शाम घोषणा की थी कि बालासोर रेल हादसे की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश की गई है। रमेश ने ट्वीट किया, 'रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा बालासोर रेल हादसे के बारे में अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने से पहले ही सीबीआई जांच की घोषणा कर दी गई। यह कुछ और नहीं, बल्कि हेडलाइन मैनेजमेंट है।''

उन्होंने कहा, 'अब यह घटनाक्रम याद कीजिए। 20 नवंबर, 2016 को इंदौर पटना एक्सप्रेस कानपुर के निकट पटरी से उतर गई। इसमें 150 से अधिक लोगों की जान चली गई। तत्कालीन रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने 23 जनवरी 2017 को केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखकर इस घटना की एनआईए जांच की मांग की। 24 फरवरी 2017 को प्रधानमंत्री ने कहा कि कानपुर ट्रेन दुर्घटना एक साजिश थी।'

रमेश ने दावा किया, 21 अक्टूबर 2018 को अखबारों में प्रकाशित खबरों में कहा गया कि एनआईए इस मामले में कोई आरोप पत्र दाखिल नहीं करेगी। 6 जून, 2023 तक इस बात की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है कि कानपुर रेल हादसे पर एनआईए की अंतिम रिपोर्ट क्या है। कोई जवाबदेही नहीं।'

एक दिन पहले, सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बालासोर रेल हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए इस मामले के सभी पहलुओं की जांच की मांग करते हुए प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था।

पत्र में उन्होंने कहा था कि सीबीआई की जांच से तकनीकी, संस्थागत और राजनीतिक विफलताओं की जवाबदेही तय नहीं हो सकती। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि सीबीआई रेल दुर्घटनाओं की जांच के लिए नहीं है, वह अपराधों की छानबीन करती है।

पूर्व रेल मंत्री खरगे ने आरोप लगाया था कि सरकार जवाबदेही तय करने के किसी भी प्रयास को नाकाम करने और लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

उल्लेखनीय है कि ओडिशा के बालासोर में कोरोमंडल एक्सप्रेस शुक्रवार शाम करीब सात बजे लूप लाइन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे कोरोमंडल एक्सप्रेस के अधिकतर डिब्बे पटरी से उतर गए। उसी समय वहां से गुजर रही तेज रफ्तार बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा कर पटरी से उतर गए। इस हादसे में कम से कम 275 लोगों की जान चली गई।

इस मामले की सीबीआई जांच की घोषणा की गई है।

चुनाव हमारा अधिकार है, भीख नहीं मांगेंगे : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 06 जून (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि चुनाव लोगों का अधिकार है और वह चुनाव कराने के लिए किसी से भीख नहीं मांगेंगे।

पत्रकारों से बात करते हुए उमर ने कहा, हमारा भी कुछ स्वाभिमान है और हम यहां चुनाव कराने के लिए किसी से भीख नहीं मांगेंगे। चुनाव लोगों का अधिकार है और चुनाव आयोग को इस सवाल का जवाब देना चाहिए।

उमर ने कहा, क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह नहीं कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक खालीपन है जिसे भरने की जरूरत है। उस खालीपन को क्यों नहीं भरा जा रहा है? यदि चुनाव आयोग दबाव में है तो उसे यह स्पष्ट रूप से कहना चाहिए कि वह दबाव में है और वह यही कारण है कि वे यहां चुनाव नहीं करा सकते।

उन्होंने कहा कि श्रीनगर में जी20 बैठक आयोजित करना और कश्मीर को दुनिया के सामने दिखाना कि सब ठीक है अलग बात है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को वास्तविकता जाननी चाहिए।

उन्होंने कहा, यातायात यहां गड़बड़ है। आमतौर पर 5 मिनट में तय की जाने वाली दूरी को ट्रैफिक जाम के कारण 40 मिनट लगते हैं। लोग रो रहे हैं।

छात्र और सरकारी कर्मचारी समय पर स्कूल और दफ्तर तक नहीं पहुंच सकते। कोई नहीं कश्मीर के बारे में सोचता है।

CHANGE OF NAME

No. **7785057X** Rank **Nk(Ptr)** Name **Pintu Ghosh** resident of VPO-Jangalpara, Teh-Arambagh, Distt.- Hooghly (west Bengal) PIN- 712401 have changed my Daughter name from **OISHI GHOSH** to **AISHI GHOSH** vide affidavit no **A241814** before High Court of Sikkim.

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR GODAVARI TUESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:10 DrawDate on:06/06/23 MRP₹6/-

1st Prize ₹1 Crore/- 68G 18313

Cons. Prize ₹1000/- 18313 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

01538 20667 22925 30762 63161 69714 74277 75092 77049 95950

3rd Prize ₹450/-

0556 0589 1810 2580 4416 4873 7062 7574 8655 8868

4th Prize ₹250/-

0963 2073 2692 4893 4919 6226 6607 7106 7940 8355

5th Prize ₹120/-

0107	0172	0258	0292	0330	0414	0488	0566	0606	0615
0660	0907	0947	1128	1267	1318	1695	1785	1989	2094
2130	2218	2318	2450	2552	2576	2581	2603	2618	2646
2736	3185	3245	3382	3760	3953	4126	4315	4342	4415
4464	4639	4684	4694	4897	5090	5152	5168	5283	5379
5384	5388	5425	5445	5582	5670	5815	5826	5827	5982
6009	6092	6110	6288	6435	6583	6668	6678	6794	6798
7110	7219	7303	7356	7643	7719	7843	7895	7910	7926
7954	8262	8382	8401	8457	8640	8936	9026	9071	9093
9187	9229	9334	9450	9540	9541	9721	9838	9873	9937

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR WAVE TUESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:10 DrawDate on:06/06/23 MRP₹6/-

1st Prize ₹1 Crore/- 79D 26203

Cons. Prize ₹1000/- 26203 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

06103 15445 30495 40596 43763 47475 51671 77113 81437 94568

3rd Prize ₹450/-

0999 1520 3360 5256 6572 6616 7040 7398 8381 9523

4th Prize ₹250/-

1042 1232 1447 2552 3914 4355 5546 9057 9455 9676

5th Prize ₹120/-

0039	0106	0111	0129	0143	0150	0159	0246	0256	0266
0394	0395	0604	0659	0690	0774	0816	0965	0974	0996
1164	1370	1445	1469	1523	1651	1755	2011	2091	2100
2292	2534	2614	2712	2726	2792	2795	2870	3055	3619
3821	3828	3899	3908	4013	4257	4338	4409	4593	4906
4974	5004	5101	5214	5230	5240	5372	5501	5507	5543
5758	6112	6185	6621	6628	6669	6721	6769	6855	6873
7015	7310	7526	7549	7553	7666	7887	7960	8011	8129
8229	8239	8336	8338	8374	8542	8610	8733	8853	8964
9045	9177	9197	9452	9663	9754	9770	9852	9912	9928

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR GOOSE TUESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:10 DrawDate on:06/06/23 MRP₹6/-

1st Prize ₹1 Crore/- 40L 43833

Cons. Prize ₹1000/- 43833 (Remaining All Serial & Series)

2nd Prize ₹9000/-

17405 21772 30682 49472 51751 62868 69068 70492 75458 89234

3rd Prize ₹450/-

1784 2759 3889 3899 4017 4727 6815 7276 7466 8010

4th Prize ₹250/-

1008 2280 2814 3486 4241 6030 6156 7020 8611 9119

5th Prize ₹120/-

0070	0123	0137	0178	0210	0211	0216	0218	0358	0480
0516	0642	0762	0863	1048	1109	1608	1618	1650	1818
2023	2063	2083	2101	2432	2801	2919	2934	2991	3086
3190	3215	3237	3301	3761	3946	4044	4152	4369	4460
4620	4655	4687	4692	4774	5320	5338	5475	5634	5639
5694	5699	5713	5904	5957	5974	6001	6084	6247	6289
6419	6429	6458	6579	6615	6641	6963	7021	7157	7252
7320	7354	7367	7368	7408	7473	7651	7934	7967	8167
8301	8467	8482	8500	8505	8683	8753	8957	9181	9207
9269	9272	9331	9376	9669	9763	9880	9904	9956	9992

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

कन्फ्यूज है नीतीश सरकार

अभी ओडिशा में हुई रेल दुर्घटना का मलवा भी पूरी तरह साफ नहीं हुआ था कि रविवार को बिहार के भागलपुर में गंगा नदी पर बन रहे एक पुल का एक हिस्सा धंसने की खबर आ गई। हालांकि यह पुल अभी बन ही रहा था और इसलिए इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के कामकाज की जो हालत है, उस पर यह एक कठोर टिप्पणी जरूर है। इस पुल पर काम 2014 में शुरू हुआ था और इसे 2019 तक ही पूरा हो जाना था। मगर, उसके बाद यह समयसीमा चार बार बढ़ाई जा चुकी है।

खास बात यह कि इसी पुल का एक अन्य हिस्सा पिछले साल भी धंसा था। इस बार ज्यादा गंभीर पहलू यह है कि खुद सरकार भी इस घटना पर बंटी हुई दिख रही है। रविवार शाम को पुल धंसने की खबर आई और जैसा कि ऐसी घटनाओं में होता है, पुल टूटने और गिरने के विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। कुछ समय बाद एक न्यूज एजेंसी की ओर से यह खबर भी आई कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। मगर उसके बाद उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि इस पुल के निर्माण कार्य में शुरू से गड़बड़ थी, इसके डिजाइन में समस्या थी। इस वजह से सरकार ने आईआईटी-रुड़की से संपर्क किया था और विशेषज्ञों की एक समिति इस मामले को देख रही थी। उनके मुताबिक इस पुल को नए सिरे से बनवाना है और पुल के एक हिस्से का गिराया जाना उसी योजना के तहत की गई कार्रवाई है।

सवाल है कि अगर यह सब सोच-समझे ढंग से हुआ है तो फिर मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश क्यों दिए? जाहिर है, इस पूरे मामले में कुछ न कुछ गफलत है। या तो सरकार के अंदर आपसी संवाद और तालमेल की कमी है या फिर इस मामले की सूचना जारी करने की प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई है। जहां जो भी गड़बड़ हो, सबसे पहले तो सरकार को संवाद की प्रक्रिया दुरुस्त करने पर ध्यान देना होगा। ऐसे संवेदनशील मामलों में सरकारी कामकाज को लेकर इस तरह की तस्वीर सामने आना न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि किसी इमर्जेंसी की स्थिति में घातक साबित हो सकता है। मगर पुल बनने का मामला भी सवालों के घेरे से बाहर नहीं हो जाता।

प्रॉजेक्ट पूरा होने में देरी तो एक मसला है ही, जैसा कि उपमुख्यमंत्री की बातों से लगता है अगर विशेषज्ञों की समिति ने इस प्रॉजेक्ट में बुनियादी कमी बताई है तो यह सवाल भी बनता है कि आखिर यह बात प्रॉजेक्ट शुरू होने के नौ साल बाद क्यों सामने आ रही है। जाहिर है, पूरे मामले की ढंग से जांच करवाकर इसकी जिम्मेदारी तय करने और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई जल्द से जल्द करने की जरूरत है।

विवाद की कोई वजह नहीं

अवधेश कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने नागपुर में संघ के प्रशिक्षण शिविर के तृतीय वर्ष के समापन पर जो कुछ बोला उस पर देश में विवाद और बहस चल रही है।

हालांकि उनका भाषण काफी लंबा था, जिसका मूल स्वर यही था कि हमारे बीच अलग-अलग प्रकार के भेद हो सकते हैं किंतु सबको राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के साथ इसकी मजबूती के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। इसी मूल स्वर को स्पष्ट करने के लिए उन्होंने बहुत सारी बातें बोलीं। हमारे देश की राजनीति और गैर-राजनीतिक एक्टिविज्म की एक बड़ी समस्या है। संघ के नेता कुछ भी बोलें उनमें से अपने अनुसार कुछ पंक्तियां निकाल कर बवंडर खड़ा करने की हमेशा कोशिश होती है।

उन्होंने दुनिया में इस्लाम के विस्तार का इतिहास बताते हुए कहा कि स्पेन से मंगोलिया तक वे गए लेकिन वहां के लोग जागृत एवं संगठित हुए, संघर्ष किया तो वहां इस्लाम उस रूप में नहीं है। भारत ऐसा देश है, जहां इस्लाम को अपने मजहब के अनुसार उपासना करने की पूरी स्वतंत्रता है। संभवत: वे यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि जो लोग भारत में इस्लाम खतरे में है कि भयानक तस्वीर पेश कर रहे हैं, वे गलत हैं। इससे देश की एकता खंडित होती है। अपने देश का हित चाहने वाला कोई भी बड़ा व्यक्तित्व यही कहेगा कि मजहब आपका जो भी हो ऐसी भाषा मत बोलिए, ऐसी सोच मत फैलाइए जिससे देश के अंदर अविास बढ़े और हमारा विकास बाधित हो।

देखें तो डॉ. भागवत ने केवल इतिहास का तथ्य रखा। सच यही है कि इस्लाम का विस्तार तेजी से यूरोप से लेकर एशिया, अफ्रीका आदि में हुआ। इस्लाम के विस्तारकों ने भीषण आक्रमणों की क्रूरता से यहूदी एवं ईसाई धर्म को पूरी तरह खत्म करने की कोशिश की। वे विजित होते, आगे बढ़ते गए। इसी के विरुद्ध विद्रोह हुआ और इतिहास में क्रूसेड यानी धर्मयुद्ध की लंबी श्रृंखला है। लगभग सात धर्मयुद्ध का इतिहास 11वीं सदी के अंत से लेकर 13वीं सदी के अंत तक लगातार मिलता है। यूरोप के ईसाइयों ने 1098-1291 के बीच अपने रिलीजन की पवित्र भूमि फिलिस्तीन और उसकी राजधानी यरुशलम स्थित ईसा की समाधि का गिरजाघर मुसलमानों से छीनने और अपने अधिकार में करने के प्रयास में युद्ध किए। यह धीरे-धीरे विस्तारित हुआ। वास्तव में धर्मयुद्ध इतिहास के पश्चिमी काल विभाजन के अनुसार मध्यकाल में लैटिन चर्च द्वारा आरंभ, समर्थित और कभी-कभी निर्देशित धार्मिक युद्धों की लंबी श्रृंखला थी।

1095 में यह प्रथम धर्मयुद्ध आरंभ हुआ और 1099 में यरुशलम की विजय हुई। ये युद्ध किसी न किसी तरह 15वीं सदी तक चलते रहे। आप गहराई से देखेंगे तो ईसाइयत और इस्लाम का टकराव पूरी तरह कभी खत्म नहीं हुआ। 19वीं सदी के महाद्वीपीय युद्ध हों या फिर 20वीं सदी का बाल्कन युद्ध, जिसके परिणामस्वरूप प्रथम युद्ध हुआ। उसकी भी छानबीन करें तो मूल कारण आपको यही दिखाई देगा। तो यह सत्य है जो इतिहास का ज्ञान रखने वाले सभी को पता है। इसका अर्थ हुआ कि जिस तरह इस्लाम ने ईसाइयत को खत्म करने और अपने ही मजहब को थोपने की कार्रवाई की उसकी प्रतिक्रिया में ईसाइयों ने भी वही किया।

भारत का चरित्र इससे बिल्कुल अलग रहा। हमले का प्रतिकार एक बात थी, मजहब के रूप में इस्लाम को कभी कोई खतरा भारत में नहीं रहा। ऐसा लगता है डॉ. भागवत ने यही बात समझाने के लिए इसका उल्लेख किया। आज का भयावह सच यही है कि लंबे समय से संघ विरोधियों तथा राजनीति में भाजपा विरोधियों ने भारत सहित दुनिया भर में दुष्प्रचार किया है। मुसलमानों के अंदर भी ऐसे लोग हैं, जिन्होंने यही प्रचारित किया है कि ये संगठन इस्लाम विरोधी है तथा इनकी शक्ति जैसे-जैसे बढ़ेगी ये इस्लाम को मजहब के रूप में खत्म करने की कोशिश करेंगे। अनेक कट्टरपंथी मजहबी इस्लामिक नेता लगातार बोल रहे हैं कि हमारी मस्जिदें छिन जाएंगी, हमारा नमाज पढ़ना तक रुक जाएगा। ऐसे दुष्प्रचारों से आम मुसलमानों के अंदर गुस्सा बढ़ाया गया है, और उन्हें लगता है कि अपने मजहब की रक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जाना चाहिए। आपको हर दिन और किसी दिन न जाने कितनी बार सुनने को मिलता है कि भारत की धार्मिक विविधता खतरे में है, संविधान खतरे में है, हिंदुत्ववादी तत्वों ने सारी संस्थाओं को नियंत्रित कर लिया है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नष्ट कर दी गई है आदि-आदि। जिस देश में बड़े नामचीन और प्रभावी लोग इस तरह देश की दिन-रात डरावनी तस्वीर पेश कर रहे हों, वहां किस तरह की मानसिकता तैयार होती होगी, इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है।

देश की सीमाओं से बाहर भी कुछ लोग इसी तरह की बातें बोल रहे हैं। इन दुष्प्रचारों को कमजोर करना हर भारतीय का दायित्व है। मोहन भागवत इस समय वि के सबसे बड़े हिंदू संगठन तथा व्यापक संगठन समूह के प्रमुख हैं। इस नाते उनका दायित्व सबसे ज्यादा है। सबसे ज्यादा आरोप इस संगठन परिवार पर ही लगते हैं, इसलिए भी उन्हें समय-समय पर अलग-अलग तथ्यों और तकरे से अपने स्वयंसेवकों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों के साथ सभी भारतीयों एवं दुनिया भर में रहने वाले भारतवंशियों और भारत में रुचि रखने वालों को संदेश देना पड़ता है।

किसी भी संगठन और विचारधारा से असहमत होने में न समस्या है, और न बुराई। एक स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज का यही स्वाभाविक लक्षण है। समस्या तब आती है, जब आप दुराग्रह और हठधर्मिता अपनाते हैं, और निहित स्वाथरे के वशीभूत अनर्गल बातें करते हैं। ऐसा नहीं होता तो डॉ. भागवत के भाषण का स्वागत होता। आप किसी भी विचारधारा के हों, अंतिम लक्ष्य सबका अपने देश की उन्नति तथा इसकी एकता एवं अखंडता को बनाए रखना ही होगा। डॉ. भागवत का पूरा भाषण सार्वजनिक है। स्वतंत्रता के अमृत काल में भारत की आंतरिक और बाहरी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए वे हर भारतीय का आत्मविास बढ़ाते हैं, उसे देश के लिए विचारने और काम करने की प्रेरणा देते दिखते हैं। डॉ. भागवत के पूरे भाषण की थीम यही है कि आपके मतभेद होंगे लेकिन देश हित का ध्यान रखेंगे तो ये अपने आप कम हो जाएंगे और इसकी कोशिश हर भारतीय को करते रहना चाहिए। डॉ. भागवत के भाषण का सार यही है।

संकट में इमरान का सियासी भविष्य

कुलदीप तलवार

पाकिस्तान की सत्ताधारी गठबंधन सरकार, पाकिस्तान तहरीके-ए-इंसाफ पार्टी को अविश्वास प्रस्ताव के जरिये बेदखल करके अप्रैल, 2022 में सत्ता में आई थी। अवाम को उम्मीद थी कि यह सरकार उनकी मुश्किलों को दूर करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालात बद से बदतर हो गए हैं। राजनीतिक अस्थिरता, भारी कर्ज का बोझ, आसमान छूती महंगाई को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान गठबंधन सरकार व सेना पर बराबर निशाना साध रहे हैं।

सरकार भी इमरान और उनकी पार्टी पर आरोप लगाने में जुटी हुई है। उधर सेना भी इमरान खान से सख्त नाराज है। इसकी मुख्य वजह है कि इमरान ने अपने मनपसंद आईएसआई प्रमुख फैज हमीद को अगला सेना प्रमुख नियुक्त करने की कोशिश की थी। हाल ही में इमरान खान को अल कादिर ट्रस्ट मामले में गिरफ्तार किया गया, जो एक रीयल एस्टेट कारोबारी के साथ हुए समझौते से जुड़ा है और जिससे कथित तौर पर सरकारी खजाने को 19 करोड़ पौंड का नुकसान हुआ है।

इमरान खान के समर्थकों ने अगले दिन नौ मई को भारी प्रदर्शन किया व सैनिक प्रतिष्ठानों व सरकारी ठिकानों पर हमला किया। सरकार ने सैकड़ों आक्रामक उपद्रवियों को गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया। हिंसा में कुछ लोग मारे भी गए। सेना ने इसके खिलाफ सैनिक अदालत में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई भी शुरू कर दी है। सैनिक कानून के अनुसार, बगावत के मामले में फांसी भी दी जा सकती है। जबकि इमरान का मानना है कि गिरफ्तार किए गए लोग उनकी पार्टी के नहीं थे, बल्कि बाहर से आए थे। यह बात आसानी से गले नहीं उतरती। इमरान खान के घर में आतंकवादी छिपे होने के शक में छापे भी मारे गए, लेकिन वहां कोई आतंकवादी नहीं पाया गया।

हालत यह हो गई है कि सरकारी दमन के भय से पाकिस्तान तहरीके-ए-इंसाफ (पीटीआई) के लगभग 100 कार्यकर्ता व नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है, कई ने तो राजनीति से भी संन्यास ले लिया है। इनमें बहुतों का मानना है कि सेना के कारण ही पाक का वजूद है। इसलिए सेना के ठिकानों पर हमले नहीं होने चाहिए थे। देश की बदनामी हुई है। देश को अरबों रुपये का नुकसान हुआ है। पीटीआई लगभग बिखर गई है। इमरान खान का यह भी आरोप है कि गठबंधन सरकार के दबाव में ही उनकी पार्टी के नेताओं ने इस्तीफे दिए हैं। सरकार इससे इन्कार करती है।

खबर यह भी है कि गठबंधन सरकार ने सेना की मदद से पीटीआई को पूरी तरह खत्म करने की योजना बनाई है। इमरान को अब अपनी गिरफ्तारी का डर सता रहा है। उनके खिलाफ अदालतों में 100 से ज्यादा मामले चल रहे हैं, जिनमें देशद्रोह का मामला भी है। अगर यह मामला साबित हो गया, तो उन्हें भी सजा देकर जेल में डाल दिया जाएगा। पाकिस्तान का राजनीतिक संकट दिन-ब-दिन गहरा होता जा रहा है। कायदे से वहां सत्ता बदलने के बाद संविधान के अनुसार, 90 दिन में चुनाव होने चाहिए थे। लेकिन अभी तक चुनाव की कोई तारीख तय नहीं हुई। पाकिस्तान पर दूसरे देशों व अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का 30 अरब डॉलर का कर्ज है। अगले साल 2024 में वित्तीय खर्चों के लिए 40 अरब डॉलर की जरूरत होगी। पाकिस्तान में रुपया 301 डॉलर के पार हो गया है। पाकिस्तान के मौजूदा हालात को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था उसे कर्ज नहीं देना चाहती है।

वहां की जनता महंगाई से बेहाल है, उन्हें दो जून की रोटी भी मुश्किल से नसीब होती है। घी, तेल, आटा, सब्जियां, पेट्रोल की कीमत आसमान छू रही हैं। बेरोजगारी बेकाबू हो गई है। भ्रष्टाचार सारी हदें तोड़ चुका है। लूटमार इतनी आम हो चुकी है कि कोई गली, बाजार सुरक्षित नहीं है। जहां तक सरकार का सवाल है, वह इस संकट का कोई ठोस हल तलाश करने के बजाय कर्ज हासिल करने का एक आसान रास्ता अपनाए हुए है।

पाकिस्तान की समस्याएं गंभीर हैं। संकट से बाहर निकलने के लिए राजनीतिक वार्ता के सिवा कुछ नजर नहीं आता है। पाकिस्तान के प्रसिद्ध इतिहासकार डा. इश्तिहाक अहमद ने पाक की मौजूदा स्थिति पर कहा है कि अगर उसको अपना अस्तित्व बचाना है, तो उसे भारत के साथ व्यापार की शुरुआत व शांति स्थापना के लिए काम करना होगा।

कामयाबी है कुछ खास

डॉ. शशांक द्विवेदी

स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने सेकंड जनरेशन नेविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-01को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया।

इस सैटेलाइट को जीएसएलवी एफ-10 रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया। यह इस सेकंड जनरेशन सीरीज का पहला सैटेलाइट है। इससे स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली ज्यादा सटीक हो सकेगी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एनवीएस-01 सैटेलाइट में स्वदेशी परमाणु घड़ी लगाई गई है। इसके पहले सटीक तिथि और जगह की जानकारी का पता लगाने के लिए रूबिडियम परमाणु घड़ियों को आयात करना पड़ता था। इसरो ने इस मिशन के लिए खास तौर पर अपने देश में विकसित रूबिडियम परमाणु घड़ी का इस्तेमाल किया है। इसे विकसित करने की तकनीक कुछ ही देशों के पास है।

परमाणु घड़ियों द्वारा ही सिग्नल भेजने और सिग्नल प्राप्त करने में लगे समय की गणना की जाती है। इसके आधार पर स्थान निर्धारण किया जाता है। एनवीएस-01 की लॉन्चिंग नाविक (नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन) सर्विस की निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण है। यह अमेरिका के जीपीएस की तरह भारत का अपना सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम है, जिससे रियल टाइम और सटीक नेविगेशन संभव होता है। असल में इंडियन रीजनल नेविगेशन सिस्टम के तहत सात सैटेलाइट प्रक्षेपित किए गए थे। इनके जरिए भारत में नेविगेशन सेवाएं मिल रही थीं। इनका इस्तेमाल सेना और विमान सेवाओं के लिए किया जा रहा था। इनमें से तीन सैटेलाइट काम नहीं कर रहे थे। इसलिए इसरो ने 5 नये सैटेलाइट लॉन्च करने की ठानी।

एनवीएस-01 उनमें से एक है। इन आधुनिक सैटेलाइट को पुराने सैटेलाइट्स की तुलना में अधिक समय तक काम कर पाने की क्षमता के साथ बनाया गया है। पुराने उपग्रह 10 सालों तक सेवाएं देते हैं जबकि नेक्स्ट जेनरेशन सैटेलाइट 12 सालों तक सटीक सेवाएं दे सकते हैं।

एनवीएस-01 भारत के समुद्र के भीतर सटीक और रियल टाइम नेविगेशन सेवा उपलब्ध कराएगा जिससे समुद्र में जहाजों की रियल टाइम पोजीशन का सटीक अंदाजा लग सकेगा। इससे हवायी, स्थलीय और समुद्री नेविगेशन में भी सहायता मिलेगी। एनवीएस-01 से मोबाइल लोकेशन सर्विसेस और भी दुरुस्त हो जाएंगी। इससे इमरजेंसी सर्विसेस, जियोडेटिक सर्वे, मरीन फिशरीज, कृषि संबंधी जानकारी हासिल करने में भी सहायता मिलेगी। स्वदेशी जीपीएस नाविक से भारत को बहुत फायदा होगा। मसलन, जोमैटो और स्विगी जैसे फूड डिलीवरी सेवाएं और ओला-उबर जैसी सेवाएं नेविगेशन के लिए जीपीएस का इस्तेमाल करती हैं।

नाविक इन कंपनियों के लिए नेविगेशन सब्सक्रिप्शन कॉस्ट को कम कर सकता है, और एक्यूरेसी बढ़ा सकता है। नाविक से अमेरिका के जीपीएस पर निर्भरता कम होगी और इंटरनेशनल बॉर्डर सिक्योरिटी ज्यादा बेहतर होगी। चक्रवातों के दौरान मछुआरों, पुलिस, सेना और हवाई/जल परिवहन को बेहतर नेविगेशन सिक्योरिटी मिलेगी। नाविक टेक्नोलॉजी ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री को मदद कर सकती है। इसके जरिए टूर को ज्यादा इनफॉर्मेटिव और इंटरैक्टिव बनाकर गेस्ट का एक्सपीरियंस और ज्यादा बेहतर बनाया जा सकता है। आम लोग लोकेशन के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। भारत का आईआरएनएसएस अमेरिका के ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस), रूस के ग्लोनास, यूरोप के गलीलियो जैसा है। इस कामयाबी के साथ ही भारत का न केवल अपने उपग्रहों का जाल तैयार हो जाएगा, बल्कि अपना जीपीएस भी शुरू हो जाएगा। अब जीपीएस के लिए भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहना नहीं पड़ेगा यानी यह कामयाबी बहुत खास है।

इस मिशन की कामयाबी के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की जमात में शामिल हो गया है, जिनके पास नेविगेशन पण्राली है। यह अभियान देश के अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई दिशा प्रदान कर रहा है। इससे देश का नेवीगेशन सिस्टम मजबूत होगा जो परिवहनों तथा उनकी सही स्थिति एवं स्थान का पता लगाने में सहायक सिद्ध होगा। नेवीगेशन सिस्टम के लिए आत्मनिर्भरता किसी भी देश के लिए काफी मायने रखती है। एक रिपोर्ट के अनुसार देशी नेवीगेशन सिस्टम आम आदमी की जिंदगी को सुधारने के अलावा सैन्य गतिविधियों, आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी उपायों के रूप में बेहद उपयोगी होगा। खासकर 1999 में करगिल जैसी घुसपैठ और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से इसके जरिए समय रहते निपटा जा सकेगा। करगिल घुसपैठ के समय भारत के पास ऐसा कोई सिस्टम मौजूद नहीं होने से सीमा पार से होने वाली घुसपैठ को समय रहते नहीं जाना जा सका था।

बाद में यह चुनौती बढ़ने पर भारत ने अमेरिका से जीपीएस सिस्टम से मदद मुहैया कराने का अनुरोध किया गया था।

हालांकि तब अमेरिका ने मदद मुहैया कराने से इनकार कर दिया था। उसके बाद से ही जीपीएस की तरह ही देशी नेविगेशन सैटेलाइट नेटवर्क के विकास पर जोर दिया गया और अब भारत ने खुद इसे विकसित करके बड़ी कामयाबी हासिल की है।

आंदोलन पर विवाद

महिला पहलवानों को लेकर अब देशभर में अफ़वाहें चल रही हैं। असल बात यह है कि न तो वे आंदोलन से भागी हैं और न ही उन्होंने एफआईआर वापस ली है, लेकिन जब से महिला पहलवानों ने ड्यूटी जॉइन की है, अफवाह चल निकली है- उन्होंने आंदोलन ख़त्म कर दिया नाबालिग पहलवान ने अपने आरोप वापस ले लिए हैं। बृजभूषण शरण सिंह बरी हो सकते हैं आदि।

ड्यूटी जॉइन करने वाली पहलवानों ने खुद कहा है- हमने आंदोलन छोड़ा नहीं है। न्याय होने तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। केस भी वापस नहीं लिया है। हमने गृहमंत्री अमित शाह के आश्वासन पर केवल कुछ वक्त दिया है। गृहमंत्री ने साफ़ कहा है कि हर हाल में क़ानून अपना काम करेगा। हमें केवल कुछ वक्त चाहिए जाँच के लिए।

अब सवाल यह है कि पॉक्सो में जब केस दर्ज हो चुका तब भी आरोपी की गिरफ़्तारी क्यों नहीं हुई? सवाल और भी कई हैं, लेकिन जवाब कुछ भी नहीं। कुल मिलाकर कोई सरकार किसी आंदोलन या धरने के आगे झुकना नहीं चाहती। सरकार अब शायद खुद कोई निर्णय लेगी और हो सकता है कि महिला पहलवानों को उस निर्णय में अपने लिए न्याय दिखे!

किसान आंदोलन के दौरान भी यही हुआ था। महीनों तक आंदोलन चलता रहा, लेकिन सरकार नहीं झुकी और आंदोलन ख़त्म होने के बाद एक दिन अचानक सरकार सामने आई और तीनों कृषि संशोधन विधेयक बिना किसी शर्त के वापस ले लिए गए। हो सकता है ऐसा ही कोई निर्णय इस मामले में भी सामने आए।

उधर, सदी के भीषण रेल हादसे में अब तक निर्णय नहीं हो पाया है कि आख़िर दोषी कौन है? गलती किसकी है? हालाँकि इंटरलॉकिंग सिस्टम को ज़िम्मेदार बताया जा रहा है। हो सकता है वही ज़िम्मेदार हो भी।

अब हादसे में मृत 288 लोग तो आकर बताने से रहे कि क्या हुआ था और आखिर क्यों हुआ था! आ भी जाएं तो उन्हें भी कहां पता ही है कि क्या हुआ था उस वक्त! बहरहाल, जाँच चल रही है। कहते हैं सीबीआई जाँच भी होगी। कुछ न कुछ तो निकलेगा ही। आशा तो की ही जा सकती है।

वैसे कई लोग जो इस हादसे के शिकार हुए हैं, लापता भी हैं। कहीं मिल नहीं रहे। कोई नहीं जानता- वे अभी भी रेल डिब्बों के नीचे दबे पड़े हैं या उन्हें ज़िंदा ही किसी वाहन में ठूँस कर फेंक दिया गया और बाद में उनकी मौत हो गई।

भूवैज्ञानिक समस्याओं को सुलझाने और संसाधन प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा मानव कल्याण के लिए सरकारी नीतियों को तैयार करने में प्रयुक्त अनिवार्य सूचना या डाटाबेस उपलब्ध कराते हैं। पृथ्वी और इसकी मिट्टियों, महासागर और वातावरण की जांच, मौसम के पूर्वानुमान, भूमि उपयोग योजनाओं का विकास आदि के काम में भी इनकी भूमिका होती है

12वीं के बाद से ही इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं

अर्थसाइंस से बनायें सुनहरा भविष्य

पृथ्वी के उद्गम, विकास और इसके अंदर और बाहर चलने वाली हलचलों को जानना खासा रोचक है। क्या अन्य ग्रहों पर कोई जीवन है, चंद्रमा, मंगल, बृहस्पति और अन्य ग्रहों पर क्या संसाधन उपलब्ध हैं, इनमें क्या बदलाव आ रहे हैं, सिकुड़ते ग्लेशियरों का महासागरों और जलवायु पर क्या प्रभाव पड़ रहा है- इस तरह की तमाम बातें और अनसुलझी पहेलियों के बारे में डाटा एकत्र करने का काम भूवैज्ञानिक करते हैं। उसका विश्लेषण करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुंचने की कोशिश करते हैं। आज जब पूरे विश्व में धरती को लेकर तरह-तरह की खबरें आ रही हैं, तो इसे समझने और उसकी तह तक जाने के लिए ऐसे विशेषज्ञों की अच्छी खासी जरूरत पड़ रही है। दिल्ली विविद्यालय ने इस क्षेत्र में कुशल वैज्ञानिक और विशेषज्ञ की मांग को ध्यान में रखते हुए अर्थसाइंस का पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू किया है। मजे की बात यह कि एमएससी इन अर्थसाइंस नाम से प्रचारित इस कोर्स में प्रवेश का द्वार बारहवीं कक्षा के बाद ही खोला गया है। पांच साल के इस कोर्स को पूरा करने के बाद उद्योग जगत में सीधे करियर अपनाने या चुनने का मौका मिलता है।

क्या है कोर्स

इस कोर्स में पहले तीन साल स्नातक स्तर की पढ़ाई होती है। इसके बाद एमएससी में दाखिला मिलता है। इसमें अर्थ साइंस के विविध पहलुओं जैसे भूभौतिकी, जल विज्ञान, समुद्र विज्ञान, वातावरणीय विज्ञान, ग्रहीय विज्ञान, मौसम विज्ञान, पर्यावरणीय विज्ञान और मृदा विज्ञान को व्यापक तौर पर पढ़ने व समझने का मौका मिलता है। महाद्वीपों के खिसकने, पर्वतों के बनने, ज्वालामुखी फटने के क्या कारण हैं, नियंतण्र पर्यावरण किस तरह परिवर्तित हो रहा है, पृथ्वी पण्राली कैसे काम करती है, हमें औद्योगिक कचरे का निपटान कैसे और कहां करना चाहिए, भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए समाज की ऊर्जा और पानी की बढ़ती मांग को कैसे पूरा किया जा सकता है, जिस तरह विश्व की जनसंख्या बढ़ रही है क्या हम उसके लिए पर्याप्त खाद्य और रेशा तैयार कर सकते हैं तथा किस प्रकार खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं- ये तामम चीजें अर्थसाइंस के अध्ययन क्षेत्र में हैं। भूवैज्ञानिक समस्याओं को सुलझाने और संसाधन प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा मानव कल्याण के लिए सरकारी नीतियों को तैयार करने में प्रयुक्त अनिवार्य सूचना या डाटाबेस उपलब्ध कराते हैं। पृथ्वी और इसकी मिट्टियों, महासागरों और वातावरणों की जांच, मौसम के पूर्वानुमान, भूमि उपयोग योजनाओं का विकास आदि के काम में भी इनकी भूमिका होती है। कोर्स के दौरान खनन, तेल व प्राकृतिक गैस, भूजल, कोयला, जियो तकनीक, जीआइएस व रिमोट सेंसिंग, पर्यावरण अध्ययन, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन जैसे कई क्षेत्रों को जानने और समझने का अवसर दिया जाता है। इनसे जुड़े क्षेत्रों में से एक को आगे चलकर स्पेशलाइजेशन चुनना होता है। यह काम एमएससी स्तर पर होता है। एमएससी में अगर चार पेपर थ्योरी के हैं। इसके अलावा कई पेपर वैकल्पिक हैं जिसमें से छात्र किसी एक विकल्प को चुनकर अपना करियर बना सकता है।

कोर्स कराने वाले संस्थान

- दिल्ली विविद्यालय, हंसराज कॉलेज
- आईआईटी, खड्गपुर और रुड़की
- पांडिचेरी यूनिवसिटी, पुडुचेरी
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद,
- सेंटल यूनिवर्सिटी, हरियाणा, महेन्द्रगढ़

कोर्स के दौरान छात्रों को दो तरह की ट्रेनिंग भी दी जाती हैं। पहले स्तर पर हर साल छात्रों को फील्ड ट्रिप पर भेजा जाता है। एमएससी स्तर पर समर ट्रेनिंग और समर इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के अलावा डिजर्टेशन का काम पूरा करना होता है। यहां फील्ड वर्क का बहुत विकल्प है।

शाखाएं : अर्थ साइंस की कई शाखाएं हैं। इनमें पर्यावरण अध्ययन, माइनिंग, जियोटेक्नोलॉ जी, एटमॉस्फोरिक साइंस, जियोहै जर्डस, डिजास्टर मैनेजमेंट, क्लाइमेट परिवर्तन, ओशनोग्राफी, रिमोट सेंसिंग, एप्लायड हाइड्रोजियोलॉजी, काटरेग्राफी और जियोग्राफिक इंफोम्रेशन सिस्टम आदि प्रमुख हैं।

अवसर कहां : कोर्स के छात्र के लिए राज्य और केंद्र सरकार में जियोलॉजिस्ट बनने के कई अवसर हैं। एमएससी पास छात्रों के लिए जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जियोलॉजिस्ट की भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की जाती है। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड भी इस कोर्स के छात्रों को काम करने का अवसर मुहैया कराता है। इसमें हाइड्रोजियोलॉजिस्ट के रूप में उसी स्केल पर नियुक्ति होती है जिस स्केल पर जियोलॉजिस्ट की। इनके अलावा पीएचडी करने के बाद साइंटिस्ट पद पर भर्ती होती है। ये सभी पद ग्रेड ए स्तर के अधिकारी की है। रिसर्च संस्थाओं के अलावा आजकल निजी कंपनियों में एक्जीक्यूटिव के रूप में भी क्लास वन पद पर इसके विशेषज्ञ रखे जा रहे हैं। ओएनजीसी, वेदांता, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, इएसएसआर, केर्न इंडिया जैसी कई कंपनियां हैं जहां इनकी मांग हैं। पीएचडी करने वालों के लिए रिसर्च एसोसिएट और अध्यापन के भी मौके हैं। इसके अलावा इनकी मांग देश में जहां पेयजल के लिए काम हो रहा है या फिर सीमेंट, माइनिंग आदि के कामों में इस कोर्स के छात्रों की मांग है।

दाखिला कैसे

इस कोर्स में आमतौर पर बारहवीं की मेरिट के आधार पर दाखिला दिया जाता है। साइंस के छात्र के लिए बारहवीं में भौतिकी, गणित और रसायनशास्त्र पढ़ा होना जरूरी है तभी उसे दाखिला दिया जाता है। अगर किसी ने आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास की है, तो उससे भी दाखिले का रास्ता खुलता है।

वेतन: इस कोर्स के छात्रों को रिसर्च संस्थान 35 से लेकर 40 हजार तक के पैकेज पर हायर करते हैं। निजी क्षेत्रों में युवाओं की सैलरी स्किल को देखते हुए तय की जाती है। जियोलॉजिस्ट का वेतनमान भी 40 हजार रुपये से 50 हजार रुपये है। कॉलेज शिक्षण और रिसर्च एसोसिएट के रूप में वेतनमान शुरुआती तौर पर 50 से 60 हजार रुपये हैं।

कैसे सुधारें कम्युनिकेशन स्किल्स

हर किसी की पहचान उसकी पर्सनालिटी से होती है। पर्सनालिटी डेवलप होती है अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स से। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स जहां जीवन भर काम आती है, वहीं अच्छे न होने से कई बढ़िया मौके हाथ से निकल भी जाते हैं। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी ही नहीं, बल्कि प्रोफेशनल जिंदगी भी बेहतर बनाती है। इसके लिए सबसे पहले अपनी टोन पर ध्यान दें। ज्यादा तेज आवाज में कभी बात न करें। अगर जल्दी- जल्दी बात करने की आदत है, तो इस पर काबू पाएं। एक अच्छी बात भी तेज आवाज में कहेंगे तो उसका महत्व कम होगा। इसी तरह ज्यादा जल्दी भी न बोलें। कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर बनाने के लिए आप अपना सोशल सर्कल विकसित करें। ज्यादा लोगों से बातचीत करने पर बातचीत का ढंग खुद ही सुधर जाता है। अटक-अटक कर बातचीत करने वालों में आत्मविास की कमी होती है। अगर आप भी अटक-अटक कर बोलते हैं या उच्चारण ठीक नहीं होता, तो अभ्यास से इसे ठीक किया जा सकता है। बातचीत करते समय एक बात का अवश्य ध्यान रखें। अक्सर हम 'हां' या 'न' में मांगे गए सवाल का सिर हिला कर या मुंह से आवाज निकाल कर जवाब देते हैं, यह ठीक नहीं।

बीतचीत के दौरान इन बातों का ध्यान रखें

किसी की आलाचना न करें- जहां तक हो सके दूसरों की बुराई से दूर रहना चाहिए। अगर यह आदत टीनएज में पड़ गई तो फिर इससे छुटकारा मुश्किल है। आपने देखा होगा कि कुछ लोग हर समय दूसरों की बुराई ही करते रहते हैं। उनके बारे में किसी की भी राय अच्छी नहीं होती। अगर किसी को नापसंद करते भी हों, तो जताने की जरूरत नहीं।

दूसरों की कमियों नहीं गुण देखिए- हर इंसान में कुछ कमियां ओर कुछ गुण होते हैं। हर समय कमी निकालना उचित नहीं। जितनी ज्यादा कमियां देखोगे, उससे कहीं ज्यादा निकलेंगी। कुछ लोगों की आदत होती है, हर किसी को सलाह देने की। अगर आप भी ऐसे ही हैं तो तुरंत छोड़िए, इस आदत को।

प्रशंसा करना- भला तारीफ किसे नहीं सुहाती। हम अपनी हर स्पेशल तारीफ याद रखते है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स वाला व्यक्ति सही समय पर तारीफ जरूर करता है।

किसी की नकल न करें- कभी-भी किसी स्टार, मॉडल के लहजे में बात न ही करें तो बेहतर होगा। क्या फायदा, अगर सामने वाला भी तुरंत उसी लहजे में जवाब दें। आप खुद का स्टाइल विकसित करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अंग्रेजी को इंप्रूव जरूर किया जाए, रोज अंग्रेजी न्यूज पेपर, न्यूज या स्टोरी सुनें या पढ़ें। हर दिन 5 नए शब्द याद करें। हिंदी और अंग्रेजी बोलने का तरीका अलग है। आपने नोट किया होगा। गैर इं ग्लिश मीडियम के स्टूडेंट ज्यादा प्रभावशाली अंग्रेजी नहीं बोल पाते। लेकिन स्पीकिंग कोर्स भी अभ्यास के बगैर लाभदायक नहीं होंगे। शुरुआत में धाराप्रवाह बोलने में कुछ परेशानी होगी, पर कोशिश करने से धीरे-धीरे आपको अभ्यास हो जाएगा। बातचीत करते समय हिलडुल कर या नर्वस होकर मत बोलिए, आंखों में आखें डाल कर आत्मविास से बातचीत करिए, स्पष्ट उच्चारण के साथ। दूसरों को भी अपनी बात कहने का मौका दें। बातचीत के दौरान कभी अपने अहंकार को सामने न लाएं, वरना सारा मामला चौपट हो जाएगा। अच्छी सी स्माइल चेहरे पर रखें, क्योंकि विनोदप्रिय लोगों को सभी पसंद करते हैं। अपनी बातचीत में फूहड़ता कभी गलती से भी न लाएं। बड़ों से बातचीत करने का तरीका और लहजा अलग होता है। नम्र, शिष्ट और शालीन आवाज में बात करें। इंटरव्यू में और दफ्तर में अपनी बात नपी-तुली भाषा में रखें। वैसे दोस्तों के साथ फनी औ र सिंपल लैंग्वेज ही इस्तेमाल करें, वरना वह आप से ऊब जाएंगे। बहुत से लोग अच्छे सेंस ऑफ ह्यूमर वाले व्यक्तियों की तरफ आकर्षित होते हैं। वे चाहते हैं हम भी ऐसे ही हों। इसके लिए अधिक से अधिक लोगों से बातचीत करें, बगैर किसी को चोट पहुंचाए। बातचीत का वातावरण हल्का-फुल्का रखें। आप पाएंगे कि धीर-धीरे ऐसी शैली आप में भी विकसित हो रही है। कभी-भी बहस न करें। अनावश्यक टिप्पणी करने से भी बचें। अगर टीनएज में हमें बहस करने की आदत पड़ जाए तो सोशल सर्कल में बातचीत करते समय नुकसानदायक हो सकती है। हम में से बहुत से लोग बातचीत करते समय 'यू नो', 'व्हाट ए जोक', जैसे तकियाकलाम इस्तेमाल करते हैं, जो इंटरव्यू वगैरह में अवश्य ही हानि पहुंचाते हैं। इसलिए तकिया कलाम की आदत अवश्य छोड़ दें। अगर आप इन सब बातों की तरफ गौर करें तो पाएंगे कि आप की कम्युनिकेशन स्किल्स पहले से बेहतर हो गई है।

कारपेट इंडस्ट्री

धागों से सजाएं भविष्य

कारपेट के पारंपरिक काम में अब सॉफ्टेवयर और मशीनों का इस्तेमाल शुरू हो जाने से इस इंडस्ट्री में रोजगार की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इस इंडस्ट्री को विकसित करने के लिए भारत सरकार भी प्रयास कर रही है। ग्लोबल मार्केट में आज 36 प्रतिशत अकेले भारत का कब्जा है।

ईरान के कालीन दुनियाभर में मशहूर हैं। ईरान में आज भी कालीन की बुनाई का काम कारीगर स्वयं करते हैं, यही कारण है कि ईरान के कालीन न सिर्फ महंगे हैं, बल्कि देखने में खूबसूरत भी लगते हैं। वहीं भारत में कश्मीर का नाम कालीन उद्योग में सबसे ऊपर है। लेकिन टेक्नोलॉजी ने इस पारंपरिक उद्योग में भी अपनी जगह बना ली है। अब कालीन के काम में सॉफ्टवेयर और मशीन की भी मदद ली जाने लगी है। हाथ से तैयार किए गए कालीन और मशीनों से तैयार किए गए कालीनों में अंतर भी साफ देखने को मिल जाते हैं। लेकिन हाथ से बनाए गए कालीन महंगे होने के कारण कस्टमर मशीन से तैयार की गई सस्ती कालीन ज्यादा पसंद करते हैं । इसकी डिमांड में भी तेजी से वृद्धि हुई है। मार्केट में हिस्से दारी बढ़ने से आज कालीन उद्योग में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। यू निवर्सिटी स्तर पर कारपेट इंडस्ट्री के लिए अलग से मैनेजमेंट कोर्स भी शुरू किया गया है।

डिमांड

आलम यह है कि पूरे विश्व में लाखों कारीगर रात-दिन काम कर कालीन को लोगों की पसंद और जरूरत के हिसाब से तैयार करने में लगे हुए हैं। कश्मीर के अलावा भारत के अन्य राज्यों की बात करें तो राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात में भी उम्दा किस्म व डिजाइन के कालीन तैयार किए जाते हैं। इसका निर्यात आज बड़े पैमाने पर हो रहा है। भारत में तैयार किए गए कालीन का ग्लोबल मार्केट में 36 प्रतिशत तक का कब्जा है।

मार्केट प्रमोशन

कालीन की कई किस्में हैं। हाथ से बने ऊनी कालीन, सिल्क से बने कालीन, सिंथेटिक कालीन, हाथ से बनी ऊनी दरियां- इन सबकी बाजार में भारी मांग है। कालीन के निर्यात के बड़े शेयर को देखते हुए भारत सरकार ने कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया बना रखी है। यह भारतीय निर्यातकों को बाजार की पहचान करने से लेकर वित्तीय सहायता प्रदान करने तक में मदद देती है। कारपेट इंडस्ट्री के विकास, निर्यात, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही उनके लिए आमदनी का स्रोत कैसे मुहैया हो, इसके लिए यूएनडीपी, आईआई टी-दिल्ली, निफ्ट, वुड रिसर्च एसोसिएशन, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी, कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल हथकरघा उद्योग खासकर कारपेट उद्योग की उन्नति कैसे हो, इस पर जोर दे रहे हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी ने हाल में एक डिजाइन स्टूडियो का गठन किया है, जिसकी मदद से कारपेट के बुनने, उसके रंग कंबीनेशन के लिए सीएडी सिस्टम भी लगाए गए हैं, ताकि उच्चकोटि का कारपेट तैयार किया जा सके। कालीन बनाने वाले परंपरागत कारीगरों का भी खास ध्यान रखा जा रहा है। लेकिन बिना किसी पृष्ठभूमि के लोग भी इस इंडस्ट्री में आ रहे हैं। आज इंस्टीटयूट में इसकी अलग से पढ़ाई भी होने लगी है। एक बेहतरीन कालीन तैयार करने के लिए सॉफ्टवेयर और मशीनों की मदद ली जा रही है। इंजीनियरिंग के दायरे में इसकी पूरी पढ़ाई हो रही है और छात्र अपना उज्ज्वल भविष्य इस इंडस्ट्री में देख रहे हैं।

योग्यता

बी टेक इन कारपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में दाखिले के लिए किसी मान्यता प्राप्त इंस्टीटयूट या कॉलेज से 12वीं पास होना अनिवार्य है। साथ ही अभ्यर्थी के विषय में भौतिकी एवं गणित अनिवार्य रूप से शामिल होना चाहिए। गणित और भौतिकी के छात्र ही बीई एवं बीटेक कारपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं।

अवसर

कारपेट टेक्नोलॉजी में डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद टे क्सटाइल डिजाइनिंग, मैनेजमेंट, रिसर्च एंड डेवलपमें ट,क्वालिटी कंट्रोल, इं जीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, ग्राफिक डिजाइन एंड विजुअल कम्युनिकेशंस आदि फील्ड में करियर बना सकते हैं।

कोर्स

बी-टेक (कारपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी) के अलावा डिप्लोमा इन कारपेट टेक्नोलॉजी कोर्स कर सकते हैं। एआईईईई का एडमिशन केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड द्वारा आयोजित किया जाता है।

जासूसी के आरोपी एफबीआई एजेंट रॉबर्ट हैंसेन की जेल में मौत

वाशिंगटन । रूस के लिए जासूसी करने के जुर्म में दोषी ठहराए गए एफबीआई के पूर्व एजेंट रॉबर्ट हैंसेन की जेल में मौत हो गई। वह 79 वर्ष का था। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के अनुसार, उसने 1985 में रूस को राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी गोपनीय जानकारियां देना शुरू कीं और 16 वर्षों तक इस काम को अंजाम देता रहा। बदले में उसे 14 करोड़ डॉलर से अधिक की नकदी और हीरे आदि मिले। कारागार के अधिकारियों ने बताया कि रॉबर्ट हैंसेन कोलोराडो के फ्लोरेंस में एक संघीय जेल में अपनी कोठरी में बेसुध मिला और बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि हैंसेन की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। हैंसेन 2001 में जासूसी और अन्य आरोपों से जुड़े 15 मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद बिना पैरोल के जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। कारागार ब्यूरो के अनुसार, एफबीआई को हैंसेन की मौत की सूचना दे दी गई है। वह जुलाई 2002 से कोलोराडो की जेल में बंद था।

एक्सबॉक्स में बच्चों का डेटा स्टोर करने पर माइक्रोसॉफ्ट देगी 2 करोड़ डॉलर का जुर्माना

सैन फ्रांसिस्को । माइक्रोसॉफ्ट एक्सबॉक्स गेमिंग सिस्टम में साइन अप करने वाले बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र कर गोपनीयता का उल्लंघन करने के आरोप में 20 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगी। यूएस फेडरल ट्रेड कमिशन (एफटीसी) ने घोषणा की है। इसमें टेक जायंट पर बच्चों के ऑनलाइन गोपनीयता संरक्षण अधिनियम (सीओपीपीए) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था, जिन्होंने अपने माता-पिता को सूचित किए बिना या उनकी सहमति प्राप्त किए बिना और बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी को अवैध रूप से एक्सबॉक्स गेमिंग सिस्टम पर साइन अप किया। एफटीसी के उपभोक्ता संरक्षण ब्यूरो के निदेशक सैमुअल लेविन ने कहा, इस कार्रवाई से यह पूरी तरह से स्पष्ट हो जाना चाहिए कि बच्चों के अवतार, बायोमेट्रिक डेटा और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को कोप्पा (चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट) से छूट नहीं है। साथ ही यह भी कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट को अपने एक्सबॉक्स सिस्टम के चाइल्ड यूजर्स के लिए गोपनीयता सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाने की भी आवश्यकता होगी। उदाहरण के लिए, आदेश कोप्पा सुरक्षा को थर्ड पार्टी गेमिंग पब्लिशर तक विस्तारित करेगा जिनके साथ माइक्रोसॉफ्ट बच्चों के डेटा साझा करता है। इसके अलावा, आदेश स्पष्ट करता है कि बच्चे की इमेज से उत्पन्न अवतार, और बायोमेट्रिक और स्वास्थ्य जानकारी, अन्य व्यक्तिगत डेटा के साथ एकत्र किए जाने पर कोप्पा नियम लागू होते हैं। जिसके तहत 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए निर्देशित ऑनलाइन सर्विस और वेबसाइटों के लिए माता-पिता को उनके द्वारा एकत्र की गई व्यक्तिगत जानकारी के बारे में सूचित करना और बच्चों से एकत्र की गई किसी भी व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग करने से पहले सत्यापन योग्य माता-पिता की सहमति प्राप्त करना आवश्यक है।

टीवी का इलाज नहीं कराने पर महिला रोगी को किया गिरफ्तार

वाशिंगटन । वाशिंगटन शहर में टीवी का इलाज नहीं कराने पर, एक महिला रोगी को गिरफ्तार किया गया है। महिला को 1 साल पहले टीवी की बीमारी होने का पता चला था। लेकिन महिला ने इलाज कराने से मना कर दिया। इस मामले की सुनवाई सिविल कोर्ट में हो रही थी। सुनवाई के दौरान भी महिला ने इलाज नहीं करवाया। इस मामले में कोर्ट ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने, और अलग सेल में रखने के आदेश दिए हैं।

चार बच्चों की हत्यारिन मां को 20 साल बाद जेल से किया रिहा

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 20 साल से सजा काट रही चार बच्चों की कथित हत्यारिन मां को छमा करते हुए जेल से रिहा कर दिया है। जानकारी के अनुसार एक ऑस्ट्रेलियाई मां को साल 2003 मेंअपने 4 छोटे बच्चों की हत्या करने के आरोप में सजा सुनाई गई थी। कैथलीन फोल्बिग नामक महिला को सजा के बाद से वह 20 साल से जेल में बंद थी। लेकिन अब पिछले साल मई में शुरू हुई जांच एक साल तक चली जिसके बाद अब उसे उचित संदेह के चलते क्षमा कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि हाई-प्रोफाइल मामले की जांच के बाद अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ और कई तथ्य सामने आए हैं। इसके आधार पर महिला को क्षमा किया गया है। गौरतलब है कि कैथलीन फोल्बिग को 'ऑस्ट्रेलिया की सबसे खराब महिला सीरियल किलर' करार दिया गया था, जब उसको 2003 में कथित तौर पर अपने 3 बच्चों की हत्या और चौथे की हत्या करने का दोषी ठहराया गया था। अभियोजकों ने तर्क दिया था कि बच्चों का दम घोट द?िया होगा जिनकी मृत्यु नौ सप्ताह और तीन वर्ष की आयु के बीच हुई थी। लेकिन फोल्बिग ने दृढ़ता से प्रत्येक की मृत्यु को प्राकृतिक कारण बताया। इस बीच देखा जाए तो साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया और विदेशों के दर्जनों वैज्ञानिकों ने फोल्बिग की रिहाई के लिए एक याचिका पर हस्ताक्षर भी किए थे जिसमें कहा गया कि नए फोरेंसिक सबूतों से पता चलता है कि अस्पष्टीकृत मौतें वास्तव में दुर्लभ आनुवंशिक परिवर्तन या जन्मजात असामान्यताओं से जुड़ी थीं। अब फोल्बिग के लिए न्याय देखकर सभी को राहत मिली है।

धीरे-धीरे आसमान में तारे दिखना हो जाएंगे बंद -इसके लिए इंसान कितने होंगे जिम्मेदार?

लंदन । वैज्ञानिकों की माने तो धीरे-धीरे हमें आसमान में तारे दिखना पूरी तरह से बंद हो जाएंगे ।जानते हैं कि इसकी क्या वजह होगी? इसके लिए इंसान कितने जिम्मेदार होंगे? क्या इसके लिए किसी तरह का प्रदूषण जिम्मेदार होगा? जानते हैं इन सवालों के जवाब ।बचपन में हमें आसमान की तरफ इशारा करके एकसाथ दिखते सप्तर्षि, सबसे ज्यादा चमकदार बृहस्पति और कभी अपनी जगह नहीं बदलने वाले ध्रुव तारे के बारे में बताया जाता था। लेकिन, शायद हम अपनी आने वाली पीढ़ी को ऐसा कुछ भी नहीं दिखा पाएंगे ।दरअसल, वैज्ञानिकों का कहना है कि महज दो दशक के भीतर आसमान में तारे दिखने बंद हो जाएंगे ।हालात अभी से बिगड़ने लगे हैं, क्योंकि अभी से काफी तारे आसमान में नहीं दिखते हैं ।वैज्ञानिकों ने बताया है कि आखिर क्यों अगले दो दशक में तारे गायब हो जाएंगे?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश एस्ट्रोनोमर मार्टिन रीस ने दावा किया है कि लाइट पॉल्यूशन के कारण पिछले कई साल से तारे दिखने कम हो गए हैं ।उनके मुताबिक, एलईडी और लाइट के दूसरे सोर्सेज के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारा आकाश आर्टफिशियल लाइट से जगमगा रहा है ।उनका कहना है कि अगर हम लगातार ऐसा ही करते रहे तो ये हमारे लिए बड़ी मुसीबत का कारण बन जाएगा ।रीस का कहना है कि लाइट पॉल्यूशन के कारण हमारी अगली पीढ़ी तारे नहीं देख पाएंगी ।जर्मन सेंटर फॉर जियोसाइसेंस के क्रिस्टोफर कबा के मुताबिक, टिमटिमाते तारों से जगमगाता आसमान धीरे-धीरे दुर्लभ होता जा रहा है ।कबा ने इसकी गंभीरता को समझाने के लिए कुछ आंकड़ों का सहारा भी लिया है। उन?होंने कहा कि अगर आज कोई बच?चा ऐसी जगह पैदा होता है, जहां के आसमान में 500 तारे दिखते हैं तो अब से 18 साल बाद वहां केवल 200 तारे ही दिखाई देंगे ।अब ये समझते हैं कि ये लाइट पॉल्यूशन होता क्या है? वैज्ञानिकों के मुताबिक, हमारी बनाई कृत्रिम रोशनी ही लाइट पॉल्यूशन है ।इसके बहुत ज?यादा इस्तेमाल से रात की प्राकृतिक रोशनी धीमी पड़ती जा रही है ।हमारी बनाई तमाम लाइट्स में से ग्लेयर लाइट पॉल्यूशन सबसे ज्यादा खतरनाक है ।इससे आंखों चौंधियां जाती हैं ।फिर जब रोशनी धीमी होती है तो अंधेरा महसूस होने लगता है।

बड़े शहरों में कृत्रिम रोशनी से आसमान का जगमगाना, बिना जरूरत वाली जगहों पर भी कई-कई लाइट्स इस पॉल्यूशन को बढ़ाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि बहुत ज्यादा कृत्रिम रोशनी के कारण हमें नेचुरल और आर्टिफिशियल लाइट में फर्क महसूस नहीं हो पाता है। वर्ल्ड एटलस ऑफ आर्टिफिशियल नाइट स्काई की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में 80 फीसदी आबादी स्काईगो पॉल्यूशन से जूझ रही है।

दक्षिण यूक्रेन के रुस नियंत्रित इलाके में सोवियत संघ के जमाने में बने एक डेम में हुए धमाके के बाद बाढ़ आ गयी। इसके लिए दोनो ने ही एक दूसरे की सेनाओं को दोष दिया है।

माइक पेंस ने बढ़ा दी ट्रंप की मुश्किलें, राष्ट्रपति के लिए लडेंगे चुनाव

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी और वाइस प्रेसीडेंट के तौर पर काम कर चुके माइक पेंस ने अगले साल राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार की रेस में शामिल होने की घोषणा की है। इससे डोनाल्ड ट्रंप मुश्किल में हैं। क्योंकि पेंस ने इस तरह अपने पहले बॉस रहे ट्रम्प को चुनौती देने का ऐलान कर दिया है। पेंस ने संघीय चुनाव आयोग के पास जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी की। पेंस बुधवार को अपने 64वें जन्मदिन पर आयोवा में एक वीडियो और प्रोग्राम के साथ रिपब्लिकन उम्मीदवार की होड़ में उतरने का औपचारिक रूप से ऐलान करेंगे। पूर्व कांग्रेस सदस्य और इंडियाना के गवर्नर रह चुके माइक पेंस एक रूढ़िवादी शख्स हैं। अब वे डोनाल्ड ट्रम्प से एक सीधी टक्कर लेने के लिए सामने आ चुके हैं। लंबे समय से माइक पेंस के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन उन्होंने पहले कभी इस तरह से रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में खुद को शामिल नहीं किया था। जब ट्रम्प ने उन्हें 2016 में अपने चुनाव में वाइस प्रेसीडेंट के उम्मीदवार के रूप में चुना था तब माइक पेंस इंडियाना के गवर्नर थे। ट्रम्प के इस कदम को सामाजिक रूप से रूढ़िवादी मतदाताओं का भरोसा जीतने की कोशिश के रूप में देखा गया। जो न्यूयॉर्क के बिजनेस टाइकून ट्रम्प की उम्मीदवारी से चिंतित थे। बहरहाल डोनाल्ड ट्रम्प के विवादों और हरकतों ने जल्द ही पेंस के धीरज को खत्म कर दिया। पेंस ने कथित तौर पर कई बार पद छोड़ने पर विचार किया।

जीवंत लोकतंत्र को देखना है तो दिल्ली जाइए और खुद देखिए : किर्बी

-भारत में लोकतंत्र पर सवाल उठाने वालों को अमेरिका का करारा जवाब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। व्हाइट हाउस ने कहा है कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है जिसे देखना है तो दिल्ली जाइये और खुद देखिए। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा कि जो कोई भी नई दिल्ली जाता है, वह खुद इसे देख सकता है, महसूस कर सकता है। जानकारी बता रहे हैं कि किर्बी के इस बयान के जरिए अमेरिका ने उन सभी आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में अमेरिका की राजकीय यात्रा पर होंगे। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, कि मोदी जब अमेरिका पहुंचेंगे तो निश्चित रूप से, मैं उम्मीद करता हूं कि लोकतांत्रिक संस्थानों की ताकत और इसकी हालत चर्चा का हिस्सा होगी।'

किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'देखिए, हम कभी संकोच नहीं करते। और आप दोस्तों के साथ ही ऐसा कर सकते हैं। आपको दोस्तों के साथ ऐसा करना चाहिए। आप कभी भी उन चिंताओं को जाहिर करने से नहीं कतराते हैं जो हम दुनिया भर में किसी के साथ हो सकते हैं।

पीएम मोदी की प्रस्तिवित अमेरिका यात्रा पर किर्बी ने कहा लेकिन यह राजकीय यात्रा है, वास्तव में अब जो है उसे आगे बढ़ाने के बारे में हम जो उम्मीद करते हैं वह एक गहरी, मजबूत साझेदारी और दोस्ती होगी। समन्वयक किर्बी ने कहा कि भारत कई स्तरों पर अमेरिका का मजबूत साझेदार है। उन्होंने कहा, 'आपने देखा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने अब कुछ अतिरिक्त रक्षा सहयोग की घोषणा की है जिसे हम भारत के साथ आगे बढ़ाने जा रहे हैं। बेशक, हमारे दोनों देशों के बीच बहुत अधिक आर्थिक व्यापार है। भारत एक पैसिफिक क्वाड का सदस्य और इंडो-पैसिफिक सुरक्षा के संबंध में अमेरिका का एक प्रमुख दोस्त और भागीदार है।

समन्वयक किर्बी ने कहा तो यहां तक कहा कि मैं और आगे भी जा सकता था। क्योंकि ऐसे कई कारण हैं कि जिनके आधार पर यह कहा जा सकता है कि भारत निश्चित रूप से हमारे दोनों देशों के बीच न केवल द्विपक्षीय रूप से, बल्कि बहुपक्षीय रूप से कई स्तरों पर मायने रखता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रधानमंत्री मोदी के यहां आने की बहुत उम्मीद कर रहे हैं, उन सभी मुद्दों पर बात करने के लिए और उस साझेदारी व दोस्ती को आगे बढ़ाने और उसे गहरा करने के लिए उनका इंतजार है।

इजरायल की बदली किस्मत, प्राकृतिक गैस और तेल का मिला अकूत भंडार

तेल अवीव (एजेंसी)। भारत के दोस्त इजरायल को समंदर में प्राकृतिक गैस और तेल का अकूत भंडार मिला है। जो कि उसकी किस?मत को बदलकर रख देगा। देश के ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर मंत्रालय और ग्रीक-ब्रिटिश हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन और उत्पादन कंपनी एनर्जियन ने ऐलान किया है कि देश में प्राकृतिक गैस और तेल का अकूत भंडार मिला है। पिछले दिनों हुए इस आधिकारिक ऐलान ने इजरायल की किस्मत बदल दी है। जिस क्षेत्र पर प्राकृतिक गैस क्षेत्र की खोज हुई उसे कैटलन नाम दिया गया है जिसे हिब्रू में ओर्का के तौर पर जाना जाता है। ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि यह साल 2015 के बाद से इजरायल द्वारा मान्यता प्राप्त पहली प्राकृतिक गैस खोज है। देश के ऊर्जा मंत्री इजरायल काट्ज ने प्राकृतिक गैस क्षेत्र की खोज के लिए एक औपचारिक पहचान प्रमाण पत्र एनर्जेन के सीईओ मैथ्यू रिगास को सौंपा है। एक अनुमान के मुता?बिक नया क्षेत्र करीब 68 बिलियन क्यूबिक मीटर है और तकनीकी तौर पर इसे मई 2022 में तलाशा गया था। इजरायली तट के अन्य क्षेत्रों की तुलना में कैटलन को छोटा माना जाता है। फिर भी इस खोज को काफी अहम करार दिया जा रहा है। हर साल इजरायल 13 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस की खपत करता है। इस क्षेत्र की खोज उस समय हुई जब एनर्जेन करिश और तनिन भंडार की तलाश पर ध्यान लगा रहा था।

गौरतलब है कि समंदर के अंदर कैटलन गैस फील्ड इजरायल के आर्थिक जल क्षेत्र के तहत आता है। इससे अलग एफ्रोडाइट क्षेत्र ज्यादातर साइप्रस के प्रादेशिक जल में है। इजरायली हिस्से में सिर्फ एक छोटा सा क्षेत्र शामिल है। काना-सिडोन ज्यादातर लेबनान की जल सीमा में है। पिछले साल इजरायल और लेबनान के बीच एक अमेरिकी और फ्रेंच क्रू ने उस डील को सफलतापूर्वक हासिल किया था जिसके तहत दोनों देशों के आर्थिक जलसीमा के बीच बॉर्डर तय किया गया था। एनर्जेन ने साल 2016 में भूमध्य सागर में इजरायल के आर्थिक जल में स्थित कारिश और तानिन प्राकृतिक गैस क्षेत्रों का अधिग्रहण किया था।

अत्यधिक शिकार करने से मछलियों के विकासक्रम में आया बड़ा बदलाव

लंदन (एजेंसी)। मछलियों के अत्यधिक शिकार करने से उनके विकासक्रम में बड़ा बदलाव आया है। दरअसल मानव गतिविधियों के मछलियों के विकास पर प्रभाव पर हुए अध्ययन में पाया गया है कि मछलियों का विकास लाखों करोड़ों सालों में नहीं बल्कि दशकों में भी हो सकता है। अंटलांटिक कॉडफिश के जेनेटिक अध्ययन से यह खुलासा हुआ है किस तरह इंसानों के मछली का ज्यादा शिकार करने का मछलियों के विकास पर असर हुआ है। हालांकि मछलियों के विकास की कहानी कुछ अलग है। नए अध्ययन ने खुलासा किया है कि जितना समझा जाता रहा है, उनके विकास में मानव गतिविधियों ने उससे ज्यादा आकार देने का काम किया है। उनके विकास क्रम के गति की इस क्षमता का पता तब सामने आया जब बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में मानवों द्वारा मछलियों का बहुत ही ज्यादा शिकार किया गया। नए अध्ययन की पड़ताल से साबित हुआ है कि मछलियों में विकासक्रम के बदालव जिनके बारे में माना जाता था कि लाखों करोड़ों साल लगते हैं उसमें कुछ ही दशकों का समय लग सकता है। एक अध्ययन में अटलांटिक कॉड मछली के बहुत ही तेज गति से होने वाले विकास के पहले जीनोम वाले प्रमाण साझा किए गए है। शोध के वरिष्ठ लेखक और रटगर्स स्कूल ऑफ एन्वायर्नमेंटल एंड बायोलॉजिकल साइंसेस में इकोलॉजी, इवोल्यूशन एंड नेचुरल रिसोर्सेस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर मालिन पिनस्की का मानना है कि उनकी खोज बहुत बड़ी और नई है। इस अध्ययन में आधुनिक तकनीक का उपयोग कर शोधकर्ताओं ने एक सदी से भी पहले पकड़ी गई कोडफिश के जेनेटिक कोड का अध्ययन किया और उसमें आए बदलाव के आधार पर यह खुलासा किया। पिनस्की का कहना है कि नई तकनीकों ने इस रहस्य को उजागर करने में बड़ी भूमिका निभाई।

एस. जयशंकर नामीबिया के उप प्रधानमंत्री से मिले; द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर चर्चा की

विंडहोक। (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को नामीबिया के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री नेतुम्बो नंदी-नदैत्वाह से भेंट की और दोनों नेताओं के बीच ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, परिवहन और संपर्क, डिजिटल, औषधि (फार्मास्यूटिकल), खाद्य सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर चर्चा हुई। जयशंकर ने नंदी-नदैत्वाह के साथ भारत और नामीबिया के बीच पहले संयुक्त सहयोग आयोग के बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान जयशंकर ने रेखांकित किया कि वर्तमान साझेदारी दीर्घकालिक राजनीतिक साख और बढ़ती विकास भागीदारी पर आधारित होनी चाहिए।

जयशंकर ने ट्वीट किया, ''ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, परिवहन और संपर्क, डिजिटल, औषधि (फार्मास्यूटिकल), खाद्य सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और संस्कृति के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर चर्चा किया। वन्यजीव सहयोग और हरित पर्यटन पर भी चर्चा हुई। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर हमारे विचार समान हैं।'' वहीं, जयशंकर के साथ प्रतिनिधि-स्तरीय बैठक से पहले नामीबिया के विदेश मंत्री नेतुम्बो नंदी-नदैत्वाह ने जयशंकर के साथ बातचीत की थी। जयशंकर ने नामीबिया के राष्ट्रपति डॉक्टर हेग जी. गेइन्गोब से मुलाकात की

और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तिगत संदेश उन्हें दिया।

मंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''मेरा गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए नामीबिया के राष्ट्रपति डॉक्टर हेग जी. गेइन्गोब का धन्यवाद। हमारे संबंधों के प्रति उनकी भावनाओं और इसे आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण का सम्मान करता हूं।'' जयशंकर ने राष्ट्रपति को संयुक्त आयोग की सकारात्मक बैठक के बारे में बताया और ''अपनी साझेदारी को गहरा'' करने संबंधी भारत की प्रतिबद्धता दोहरायी। जयशंकर नामीबिया के स्वतंत्रता संग्रहालय भी गए। जयशंकर केपटाउन से तीन दिन की यात्रा पर रविवार को नामीबिया की राजधानी विंडहोक पहुंचे।

भारतीय सेना प्रमुख ने बांग्लादेश सैन्य अकादमी का दौरा किया, पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया

ढाका। (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने मंगलवार को चट्टोग्राम में बांग्लादेश सैन्य अकादमी का दौरा किया, जहां उन्होंने 84वें 'लॉन्ग कोर्स' के अधिकारी कैडेट की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया और उनके साथ बातचीत की। दो दिवसीय यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे जनरल पांडे ने पासिंग आउट कोर्स के पुरस्कार विजेताओं को उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया। यह सेना प्रमुख के तौर पर बांग्लादेश का उनका दूसरा दौरा है।

अतिरिक्त महानिदेशालय, जन सूचना ने एक ट्वीट में कहा, ÷सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बांग्लादेश सैन्य अकादमी में बतौर मुख्य अतिथि पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया। त्रुटिहीन परेड

प्रदर्शन के लिये उन्होंने इसमें शामिल कैडेट की सराहना की।÷ भारतीय सेना प्रमुख ने कैडेट से बातचीत की और परेड के दौरान बीएमए से पासिंग आउट कोर्स के मित्र देशों के सर्वश्रेष्ठ विदेशी कैडेट के लिए स्थापित 'बांग्लादेश भारत मैत्री ट्रॉफी' प्रदान की। पहली ट्रॉफी इस वर्ष तंजानिया के अधिकारी कैडेट एवर्टन को प्रदान की गई।

जनरल पांडे ने सोमवार को यहां अपने बांग्लादेशी समकक्ष जनरल एस. एम. शफीउद्दीन अहमद से मुलाकात की तथा पारस्परिक हित के विभिन्न पहलुओं के साथ ही द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों को और विस्तार देने के तरीकों पर चर्चा की। बांग्लादेश के सशस्त्र बलों की मीडिया इकाई 'द इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन्स डायरेक्टरेट' (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि दोनों सेना प्रमुखों ने दोनों देशों की प्रगति के लिए मौजूदा द्विपक्षीय संबंधों और भविष्य के सहयोग पर चर्चा की। इसमें कहा गया, 'भारतीय सेना प्रमुख की यात्रा से बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण मदद मिलने की उम्मीद है।

नेपाल और भारत को सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए बातचीत करनी चाहिए : प्रधानमंत्री प्रचंड

काठमांडू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने कहा कि नेपाल और भारत दोनों देशों के अधिकारियों को सीमा मुद्दे को हल करने के लिए बातचीत करनी चाहिए। प्रचंड 31 मई से तीन जून तक भारत के दौरे पर थे। दिसंबर 2022 में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बृहस्पतिवार को उनकी बैठक में दोनों देशों ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए और नयी रेल सेवाओं सहित छह परियोजनाएं शुरू कीं। दोनों नेताओं ने जटिल सीमा विवाद को मित्रता की भावना से सुलझाने का भी संकल्प लिया। अपनी भारत यात्रा के दौरान हुए

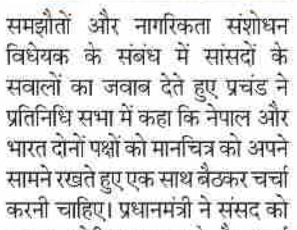

समझौतों और नागरिकता संशोधन विधेयक के संबंध में सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए प्रचंड ने प्रतिनिधि सभा में कहा कि नेपाल और भारत दोनों पक्षों को मानचित्र को अपने सामने रखते हुए एक साथ बैठकर चर्चा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने संसद को बताया, ÷मेरी भारत यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई है। हम राष्ट्रीय हित और संप्रभुता से जुड़े मामलों को लेकर चिंतित हैं। नक्शे के मुद्दे पर भी बातचीत हुई है।

डब्ल्यूटीसी महा मुकाबला आज से, भारत और आस्ट्रेलिया दोनों तैयार

– लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाएगा

लंदन (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया का सामना ऑस्ट्रेलिया से है। दोनों टीमों के बीच यह फाइनल मुकाबला बुधवार 7 जून से लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाना है। दोनों टीमों के खिलाड़ी ऐडी चोटी का जारे लगाने को तैयार है। आईसीसी ने फाइनल मैच के लिए रिजर्व-डे (12 जून) भी रखा है। यदि शुरुआती पांच दिनों में बारिश या अन्य कारणों से खेल खराब होने की स्थिति में इस रिजर्व-डे का उपयोग किया जाएगा। यदि पांचों दिन का खेल बिना किसी बाधा के पूरा होता है तो रिजर्व-डे का इस्तेमाल नहीं होगा।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2021-23 के प्वाइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 152 अंकों के साथ पहली और टीम इंडिया (127 अंक) ने दूसरी पोजिशन हासिल करके फाइनल में प्रवेश लिया है। वैसे भी दोनों टीमें एक तरीके से फाइनल में जगह बनाने की हकदार भी थीं क्योंकि आईसीसी रैंकिंग में टीम इंडिया पहले और ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे नंबर पर है। टीम इंडिया लगातार दूसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में उतरेगी, वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार फाइनल खेलने जा रही है। पिछले साल 2021 में साउथम्पटन में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

पिच की बात करें तो हाई स्कोरिंग पिच होने के बावजूद यहां गेंदबाजों को मदद मिल सकती है और यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि गेंदबाज आगे रहेंगे या बल्लेबाज, क्योंकि इंग्लैंड का मौसम हमेशा बदलता रहता है। दूसरे शब्दों में पिच गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को मदद करती है। ऐसे में टॉस का नतीजा अहम होगा। वहीं अगर बात करें इस मैदान में सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड बनाने वाली टीम का तो उसमे इंग्लैंड का नाम दर्ज है। जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 903 रन बनाए थे। पहली पारी का औसत स्?कोर 343 रन है। जबकि दूसरी पारी का औसत 304 रन है।

ओवल के मैदान में भारत और ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड की बात करें तो भारत ने अब तक इस मैदान पर 14 टेस्ट मैच खेले है। जिसमें से सिर्फ 2 में जीत मिली है, वहीं 5 मैचों में हार का मुंह देखना पड़ा हैं और 7 मैच में कोई निर्णय नहीं निकला हैं। वहीं आस्ट्रेलिया की बात करें तो अब तक इस मैदान पर 38 टेस्ट मैच खेले है जिसमें से सिर्फ 7 में जीत मिली है, वहीं 17 मैचों में हार का मुंह देखना पड़ा हैं और 14 मैच में कोई निर्णय नहीं निकला हैं। ओवरऑल अभी तक भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 106 टेस्ट खेला गया है। जिसमें से भारत को 32 और आस्ट्रेलिया को 44 मैचों में जीत मिली हैं। वहीं 29 मैच ड्रॉ रहे और एक मैच टाई रहा।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पेट कमिंस ने फाइनल के लिए पूरी टीम का नाम नहीं बताया, उन्होंने कहा कि बाकी टीम के मेकअप में कोई आश्चर्य नहीं है। बोलैंड का चयन उनके टेस्ट करियर के सर्वोच्च रिकॉर्ड के आधार पर है, उन्होंने अपने पहले सात मैचों में 13.42 की औसत से 28 विकेट लिए। वह ऑस्ट्रेलिया के अपेक्षित गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस, कैमरन ग्रीन, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन के साथ शामिल होंगे। उनका 13.42 का औसत 20वीं सदी की शुरुआत के बाद से कम से कम 1000 गेंदें डालने वाले किसी भी टेस्ट क्रिकेटर से सबसे कम है। कमिंस के हवाले से कहा गया है, हम हर किसी को थोड़ा अलग तरीके से गेंदबाजी करने में माहिर हैं। स्कॉट अच्छी लेंथ पर तेज गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज है, लेकिन वह जोशी हेजलवुड को थोड़ा अलग ऑफर देता है और स्टार्सी का बाएं हाथ का बल्लेबाज होना थोड़ा अलग है। उन्होंने कहा, इसलिए, मुझे नहीं लगता कि कोई पेकिंग ऑर्डर है। आप उन तीन लोगों के बारे में सोचते हैं जिन्हें आप बाहर जाकर खेलना चाहते हैं।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस मुकाबले से पहले बयान देते हुए कहा कि वह खिताब जीतना चाहते हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा ने कहा, हर कोई टीम को आगे ले जाना चाहता है। हर कोई खिताब जीतना चाहता है। हर कप्तान चैंपियनशिप जीतना चाहता है और मैं अलग नहीं हूं। अगले पांच दिन हमारे लिए महत्त्वपूर्ण होने वाले हैं। हमारे दिमाग में जो है उस पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। रोहित शर्मा ने कहा, हम टीम को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। हमें पता है कि पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी क्या हुआ था। हम यहां पहले भी खेल चुके हैं।

बीट्रिज़ फ्रेंच ओपन टेनिस क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्राजीली महिला बनी

पेरिस (एजेंसी)। ब्राजील की बीट्रिज़ हद्दाद मैया स्पेन की सारा सोरिबेस टोर्मो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी हैं। बीट्रिज ने इस मैच में एक बड़ा उलटफेर करते हुए तीन घंटे 51 मिनट चले सबसे लंबे और संघर्षपूर्ण महिला एकल मुकाबले में सारा को 6-7(3), 6-3, 7-5 से हराया। बीट्रिज़ इस जीत के साथ ही 55 साल में फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्राजीली महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले ब्राज़ील की मारिया बुएनो ने साल 1968 में फ्रेंच ओपन और विंबलडन के क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया था।

अब क्वार्टरफाइनल में बीट्रिज़ का सामना ट्यूनीशिया की ओन्स जब्योर से होगा। आन्स ने प्री-क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की बर्नाडा पेरा को 6-3, 6-1 से हराया। जब्योर ने एकतरफा मुकाबले में अपनी अमेरिकी प्रतिद्वंदी को केवल 63 मिनट में ही हरा दिया। दूसरी ओर पुरुष एकल में नॉर्वे के कैस्पर रूड ने चिली के निकोलस जैरी को 7-6(3), 7-5, 7-5 से हराया। यह मुकाबला करीब सवा तीन घंटे तक चला।

हाइब्रिड मॉडल विकल्प एसीसी देशों ने खारिज किया, एशिया कप का बहिष्कार कर सकता है पाक

शारजाह। (एजेंसी)। कराची (ईएमएस)। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट से अब पाकिस्तान का बाहर होना तय है। इसका कारण है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) सदस्यों श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के प्रस्तावित 'हाइब्रिड मॉडल विकल्प को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान सितंबर में होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का मेजबान है पर भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से वहां जाने से इंकार कर दिया था। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख नजम सेठी ने हाइब्रिड मॉडल का प्रस्ताव रखा था। इसके तहत भारत के मैच किसी अन्य देख में रखे जाते। अनुसार पाकिस्तान को एशिया कप के तीन या चार मुकाबले स्वदेश में कराने थे जबकि भारत के मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जा सकते थे। भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस विकल्प को इसलिए ठुकरा दिया क्योंकि इसी प्रकार की मांग पीसीबी भारत में होने वाले विश्वकप में भी कर सकता है। अब श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हाइब्रिड मॉडल को खारिज करने से पाक के एशिया कप से बाहर होने की संभावनाएं पक्की हो गयी हैं।

पीसीबी को अब पता है कि श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया कप के लिए उसके हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव का समर्थन नहीं कर रहे। ऐसे में पीबीबी के पास अपना विरोध दर्ज करने का एकमात्र तरीका ये है कि वह इस टूर्नामेंट का बहिष्कार कर दे।

साक्षी, विनेश, बजरंग बोले न्याय में नौकरी बाधा बनी तो तत्काल छोड़ देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने कहा है कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई होने तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। साथ ही कहा कि इस मामले में वे किभी भी प्रकार के दबाव में नहीं झुकेंगे और अगर नौकरी का डर दिखाया गया तो उसे भी छोड़ देंगे। वहीं प्रदर्शन कर रहे इन पहलवानों के अपनी नौकरी में वापसी जाने पर कुछ लोगों ने सोशल मीडिया के जरिये तंज कसा था कि जो खिलाड़ी अपने पदक गंगा नदी में बहाने जा रहे थे, वे अपनी नौकरी छोड़ दें। इसपर बजरंग, साक्षी और विनेश ने कहा है कि ऐसा उनकी छवि खराब करने के लिए कहा जा रहा है। इस प्रकार के लोग चाहते है कि वे न्याय के लिए अपनी लड़ाई छोड़ दें। इन पहलवानों ने कहा जब जीवन ही दांव पर है, तब नौकरी तो क्या चीज है। इससे पहले यह भी कहा जा रहा था कि शीर्ष पहलवानों ने अपने को आंदोलन से अलग करते हुए अपनी नौकरियां फिर शुरु कर दी हैं। पहलवानों ने स्पष्टीकरण जारी किया कि उन्होंने रेलवे में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) के रूप में काम फिर से शुरू कर दिया है पर साथ ही अपना आंदोलन भी जारी रखा है।

उन्होंने कहा, जिन लोगों ने हमारे पदकों को 15-15 रुपये का बताया था, वे अब हमारी नौकरी के लिए लक्ष्य बना रहे हैं। जब जीवन दांव पर है, ऐसे में नौकरी एक छोटी सी चीज है। बजरंग, साक्षी और फोगट ने अपने ट्वीट में लिखा, नौकरी को अगर न्याय की राह में वह बाधा बनते देखेंगे तो उसे छोड़ने में दस सेकेंड भी नहीं लगायेंगे। इन पहलवानों ने इस बात का जोरदार खंडन किया कि उन्होंने अपना आंदोलन खत्म कर दिया है। बजरंग ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश भी डाला जिसमें लोगों से कहा गया कि अफवाहों और फर्जी दावों पर विश्वास न करें। उनका आंदोलन जारी है।

सिंधू और प्रणय सिंगापुर ओपन से बाहर, किदांबी श्रीकांत अगले राउंड में पहुंचे

सिंगापुर ओपन में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और मलेशिया मास्टर्स के विजेता एचएस प्रणॉय को पहले ही राउड में बाहर होना पड़ा है। भारत को थोड़ी खुशी किदांबी श्रीकांत ने दी। उन्होंने दूसरे दौर में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पुरुष एकल के पहले दौर में थाईलैंड के केंटाफोन वेंगचारोन को सीधे गेम में 21-15 21-19 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत अगले दौर में जापान के केंटा निशिमोटो और चीनी ताइपे के चियो हाओ ली के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

आईपीएल की लय से आत्मविश्वास बढ़ेगा लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल पूरी तरह से अलग मैच : गिल

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शानदार फॉर्म ने भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले आत्मविश्वास बढ़ाया है लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पांच दिवसीय मैच टी20 से पूरी तरह से अलग होगा। गिल इस साल आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए 60 की औसत से 890 रनों के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने इस दौरान तीन शतक भी लगाये थे। गिल ने आईसीसी से कहा, ''इससे आपको (आईपीएल से) थोड़ा आत्मविश्वास मिलता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से अलग मैच होगा।'' उन्होंने कहा, '' इस खेल को यही चीज मजेदार बनाती है। पिछले सप्ताह हम पूरी तरह से अलग माहौल में खेल रहे थे और अब नयी तरह की चुनौती होगी। यही चीज टेस्ट मैच को रोमांचक बनाती है।'' गिल 2021 में साउथेम्प्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले फाइनल में आठ विकेट से हार का सामना करने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने उस मैच में 28 और आठ रन बनाए थे। तेईस साल के इस कलात्मक बल्लेबाज ने कहा कि उस निराशाजनक हार से उनकी टीम ने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, ''हम उन चीजों के बारे में बात कर रहे हैं जो हमने एक टीम के रूप में सीखी हैं। हम उस मैच की बल्लेबाजी पर भी बातचीत कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम पिछली बार की गई गलतियों को दूर करने में सक्षम होंगे।

पिछले 10 वर्षों में आईसीसी ट्रॉफी न जीत पाने का दबाव नहीं: द्रविड़

लंदन। (एजेंसी)। भारत ने भले ही पिछले 10 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कि कोई ट्रॉफी नहीं जीती हो लेकिन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने सोमवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले उनकी टीम पर इसको लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है। पूर्व भारतीय कप्तान ने हालांकि कहा कि ट्रॉफी जीतना अच्छा होगा जिसके लिए टीम पिछले दो वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही है। भारत 2021 में डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया था जबकि आईसीसी के अन्य टूर्नामेंट में वह नॉकआउट चरण में हारता रहा है। द्रविड़ ने कहा,'' नहीं हम पर किसी तरह का दबाव नहीं है।

मेरे कहने का मतलब है कि आईसीसी ट्रॉफी जीतने का प्रयास करने का हम किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहे हैं। निश्चित तौर पर ट्रॉफी जीतना अच्छा होगा। आईसीसी टूर्नामेंट जीतने में सक्षम होना निश्चित तौर पर अच्छा होगा। लेकिन इस संदर्भ में आपको यह भी देखना होगा कि यह दो साल की कड़ी मेहनत का चरम है।'' उन्होंने कहा,'' कई सफलताएं हासिल करने के बाद ही आप यहां तक पहुंचते हैं। इसलिए हमारे पास कई सकारात्मक पहलू हैं। ऑस्ट्रेलिया से श्रृंखला जीतना, यहां श्रृंखला ड्रॉ कराना, हर जगह कड़ी प्रतिस्पर्धा करना जो इस टीम के पास है।'' द्रविड़ ने कहा,''यह चीजें केवल इसलिए नहीं बदल जाएंगी कि आपने आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है। यह वास्तव में बड़ी तस्वीर है।''

मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 18 महीने में अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं और असफल होने पर उनका करियर भी समाप्त हो सकता है। द्रविड़ ने इस अनुभवी बल्लेबाज को भी सलाह दी। द्रविड़ ने कहा,'' यह अच्छा है कि वह टीम के साथ है। कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण उसे टीम में वापसी करने का मौका मिला। यह अच्छा है कि हमारे पास उस जैसा कुशल खिलाड़ी है।'' उन्होंने कहा,'' उसके आने से टीम में अनुभव का इजाफा हुआ है। वह विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करता रहा है और यहां तक कि इंग्लैंड में भी उसने कुछ शानदार पारियां खेली हैं।

उसकी अगुवाई में टीम ने कुछ अच्छी सफलताएं हासिल की हैं। मैं नहीं चाहता कि वह इसे एकमात्र अवसर के रूप में देखे।'' चेतेश्वर पुजारा ने हाल में काउंटी क्रिकेट में ढेरों रन बनाए और द्रविड़ ने कहा कि उनकी सलाह से टीम को काफी मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा,'' हमारी पुजारा के साथ कप्तानी और निश्चित तौर पर बल्लेबाजी को लेकर बात हुई। उसने ससेक्स की कप्तानी भी की और इसलिए उसे काउंटी में खेलने वाले गेंदबाजों की रणनीति की अच्छी समझ है। इसलिए हमने उसके साथ इस बारे में बातचीत की और देखते हैं कि उसकी सलाह पर हम कैसे अमल कर पाते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजों को नई गेंद से बहकना नहीं चाहिए : अकरम

लंदन। पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर वसीम अकरम ने सोमवार को कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में नई गेंद हाथ में आने पर बहकना नहीं चाहिए और सफलता हासिल करने के लिए धैर्य बरतना चाहिए। विश्व की नंबर एक टीम भारत और दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया सात जून से ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगे। अकरम को उम्मीद है कि मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज जैसे भारतीय तेज गेंदबाज मैदान पर समझदारी भरी रणनीति अपनाएंगे। आईसीसी के अनुसार अकरम ने कहा,'' भारतीय गेंदबाज काफी अनुभवी है और उन्हें (नई गेंद हाथ में आने पर) बहकना नहीं चाहिए। हम सभी जानते हैं कि 10 से 15 ओवर तक गेंद स्विंग करती है इसलिए एक तेज गेंदबाज के रूप में पहले 10 से 15 ओवर में अतिरिक्त रन नहीं लुटाएं।'' उन्होंने कहा,'' यदि शुरुआत में थोड़ा उछाल मिलती है तो उत्साहित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई यही चाहते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ एक मात्र टेस्ट में बांग्लादेश की कप्तानी करेंगे लिटन

मीरपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास को अफगानिस्तान के खिलाफ 14 जून से होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम का कप्तान बनाया है। बीसीबी ने लिटन की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की भी घोषणा की है। इस मैच के लिए अफगानिस्तान की टीम 10 जून को बंगलादेश पहुंचेगी। इस दौरान पांच-दिवसीय मैच मीरपुर के शेर-ए-बंगला स्टेडियम में खेला जाएगा।

लिटन ने पहले भी चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की है। टेस्ट प्रारूप में हालांकि वह पहली बार टीम की कप्तानी संभालेंगे। नियमित टेस्ट कप्तान शाकिब अल हसन आयरलैंड के खिलाफ मैच में चोटिल हो गये थे। इसी कारण लिटन को कप्तान बनाया गया है। इस मैच से तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद भी टीम में वापसी करेंगे। वह पिछले काफी समय से खिंचाव के कारण टीम से बाहर थे। इसके अलावा युवा बल्लेबाज शहादत हुसैन और गेंदबाज मुश्फिक हसन को भी टीम में जगह मिली है।

बंगलादेश टीम इस प्रकार है : लिटन दास (कप्तान), तमीम इकबाल, जाकिर हसन, नजमुल हुसैन शांतो, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन, तस्किन अहमद, शोरिफुल इस्लाम, महमूदुल हसन जॉय, शहादत हुसैन और मुश्फिक हसन।

भारत–पाक क्रिकेट टीमों के बीच इस साल कई मुकाबले खेले जाएंगे

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबलों का हमेशा से ही प्रशंसकों को इंतजार रहता है हालांकि दोनो देशों के बीच तनाव के कारण इनके बीच द्विपक्षीय मुकाबले बंद हैं। ऐसे में दोनो ही टीमें आईसीसी मुकाबलों में ही एकदूसरे का सामना करती नजर आती है। इस साल दोनो ही टीमों के बीच ही कई मुकाबले होने हैं। ऐसे में प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। इसमें दोनो के ही बीच सबसे पहला मुकाबला हांगकांग में महिलाओं के एमर्जिंग एशिया कप के लीग राउंड में 17 जून को होगा। इसके बाद दोनों ग्रुप की शीर्ष–2 टीमें नॉकआउट दौर में पहुंचेंगी। यहां भी भारत और पाक के बीच मुकाबला हो सकता है। इसके बाद पुरुष एकदिवसीय विश्वकप कप के मुकाबले अक्टूबर–नवंबर में भारत में होंगे। इसमें कुल 10 टीमें उतरेंगी। सभी टीम को लीग राउंड में विरोधी टीम से भिड़ना है। यहां भी भारत और पाकिस्तान के बीच यहां भी एक बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। इस दौरान नॉकआउट राउंड में भी भारत–पाक के बीच मुकाबला हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारुपों की बात करें तो, भारत और पाक के बीच अब तक 203 मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 72 जबकि पाक टीम ने 88 मैच जीते हैं। वहीं एक मुकाबला टाई रहा जबकि 36 मुकाबले ड्रॉ रहे।

डब्लयूटीसी फाइनल में कई रिकार्ड बना सकते हैं विराट

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से यहां के ओवल मैदान में शुरु हो रहे भारत-ऑस्ट्रेलिया आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। इस मुकाबले में भारतीय टीम की बल्लेबाजी अनुभवी विराट कोहली पर आधारित रहेगी। विराट ने आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर अपना फार्म हासिल कर लिया है। विराट के पास इस मैच में एकसाथ कई रिकार्ड बनाने का अवसर है।

विराट को रिकार्ड वैसे भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 टेस्ट मैचों में उन्होंने 48.26 की औसत से 1,979 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 186 है। आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैचों में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन विराट के नाम हैं। विराट ने 15 नॉकआउट मैचों की 16 पारियों में 51.66 की औसत से 620 रन बनाए हैं। उन्होंने नॉकआउट मैचों में 96 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ छह अर्द्धशतक बनाए हैं। यदि वह बड़ा स्कोर बनाते हैं तो वह सचिन तेंदुलकर के 14 नॉकआउट पारियों में एक शतक और पांच अर्द्धशतक के साथ 657 रन और रिकी पोंटिंग के 18 पारियों में तीन शतक और एक अर्धशतक के साथ 731 रन के रिकार्ड को तोड़ सकते हैं।

वहीं एक गेंदबाज के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट रन का रिकार्ड भारत के ही चेतेश्वर पुजारा के नाम है। उन्होंने नाथन लायन के खिलाफ कुल 570 रन बनाए हैं। वहीं विराट ने नाथन के खिलाफ 511 रन बनाये है ओर इस प्रकार इस मैच में उनके पास पुजारा का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

इसके अलावा इंग्लैंड में एक भारतीय बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकार्ड अभी राहुल द्रविड़ के नाम हैं। इंग्लैंड में द्रविड़ ने 46 मैचों में कुल आठ शतक और 15 अर्द्धशतक की सहायता से 55.10 की औसत से 2,645 रन बनाए हैं। वहीं विराट के नाम 56 मैचों में 40.85 की औसत से 2,574 रन रन हैं ऐसे में उन्हें द्रविड़ से आगे निकलने के लिए केवल 72 रनों की जरुरत है।

इसके अलावा विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो और उपलब्धियां भी हासिल कर सकते हैं। उपलब्धियांस हासिल करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में विराट ने 24 मैचों में आठ शतक और पांच अर्द्धशतक के साथ 48.26 की औसत से 1,979 रन बनाए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 2,000 रन पूरे करने के लिए केवल 21 रनों की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 मैचों में 50.97 की औसत से 4,945 रन बनाए हैं। ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 55 और रन बनाने की जरूरत है।

धनुष ने जूनियर विश्व कप निशानेबाजी में स्वर्ण पर निशाना लगाया

सुहल। भारत के धनुष श्रीकांत ने जर्मनी के सुहल में जारी आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत को तीसरा स्वर्ण दिलाया है। श्रीकांत ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीत के साथ ही स्वर्ण पदक अपने नाम किया। धनुष ने इस दौरान 24 शॉट के फाइनल में 249.4 का स्कोर करके स्वीडन के रजत पदक विजेता पोंटस कालिन को 1.3 अंक से पीछे छोड़ा। धनुष ने क्वालिफिकेशन में 628.4 अंक हासिल कर छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी है। धनुष ने फाइनल में शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया तथा लगातार बढ़त बनाए रखी और अपने विरोध को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे को कांस्य पदक मिला। भारतीय निशानेबाजों ने स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक अपने नाम किया। हरमेहर लैली और संजना सूद ने शूटऑफ में स्वीडन के डेविड जानसन और फेलिशिया रोस को हराकर यह कांस्य जीता। भारतीय टीम अब पदक तालिका में तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य के साथ ही शीर्ष पर पहुंच गयी है।

2047 तक नंबर वन होगा भारत : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अमेरिका में उनकी टिप्पणी को लेकर परोक्ष रूप से हमला किया। उन्होंने कहा कि देश के संस्थानों पर धब्बा लगाने और कलंकित करने वालों की पहचान करने के लिए किसी को भी रिअर-व्यू मिरर में देखना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक भारत 'नंबर एक' देश होगा।

अपने आधिकारिक आवास पर भारतीय रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों के बैच को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने कहा, '...हम में से कुछ लोग हैं जो गर्व नहीं करते हैं ... गुमराह आत्माएं इस देश की क्षमता और वास्तविक समय की उपलब्धियों के बारे में भ्रमित हैं।' धनखड़ ने यह भी कहा कि देश के अंदर और बाहर कुछ लोग हमें परखने की कोशिश कर रहे हैं।

धनखड़ ने कहा, हम दूसरों को खुद को परखने की अनुमति नहीं दे सकते। उनका परखना उद्देश्यपूर्ण नहीं है...कुछ तबकों के लिए भारत का उदय पच नहीं रहा है, क्योंकि यह देश शांति और स्थिरता, दुनिया में सद्भाव में विश्वास करता है। उपराष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि वे इतिहास का बोझ न उठाएं। यह आपकी प्रगति को बाधित करेगा।

उन्होंने कहा कि किसी को भी रियर-व्यू मिरर में देखना होगा और फिर आप उन लोगों को जानते हैं जो राष्ट्र के प्रति अच्छी तरह से व्यवहार नहीं करते हैं, जो हमारी संस्थाओं को कलंकित करने और नष्ट करने के लिए बाहर जाते हैं - हम उन्हें नोटिस करते हैं। उन्होंने कहा, आप रियर-व्यू मिरर में केवल किसी ऐसे व्यक्ति से बचने के लिए देखते हैं जो दुर्घटना करवा सकता है।

अमेरिका में एक कार्यक्रम में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए, गांधी ने आरोप लगाया था कि भाजपा और आरएसएस भविष्य की ओर देखने में 'अक्षम' हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल रियर व्यू मिरर में देखकर भारतीय कार चलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे 'एक के बाद एक दुर्घटनाएं' होंगी।

उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारतीय खुद को कुशल बनाने में तेज होते हैं। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक उपलब्धि आत्म-शिक्षा और आत्म-कौशल के कारण है... हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व क्यों नहीं करना चाहिए।

रिटायर्ड पुलिस अफसर दिनेश शर्मा ने गोली मार कर की खुदकुशी

लखनऊ, 06 जून (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार को सेवानिवृत्त आईपीएस दिनेश शर्मा ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली।

बताया जा रहा है वो डिप्रेशन में थे। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। जहां उन्होंने अपनी मौत के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर अपराध नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि मंगलवार को गोमती नगर स्थित अपने आवास पर पूर्व पुलिस अधिकारी दिनेश शर्मा ने अपने कमरे में अचानक गोली मार ली। अभी कारणों का पता लगाया जा रहा है। बॉडी का पोस्ट मार्टम किया जा रहा है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उनके आवास से गोली चलने की तेज आवाज आई। इसके बाद परिजन उनके कमरे में पहुंचे, जहां उन्हें खून से लथपथ पाया गया। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया और पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई।

पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट बरामद किया है। हालांकि आत्महत्या की वजहों का अभी खुलासा नहीं किया गया है। आईपीएस अफसर रहे शख्स की ऐसी आत्महत्या करने को चौंकाने वाला कदम माना जा रहा है।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार वे पिछले कई दिनों से डिप्रेशन से ग्रसित थे। उनका डिप्रेशन का इलाज भी चल रहा था।

भोपाल में बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस में शामिल, कमलनाथ बोले- जय जय श्री राम

भोपाल, 06 जून (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। इसके पहले नेताओं का एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी कड़ी में मंगलवार को बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस में शामिल हो गई। बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनीश पटेरिया, संयोजक रघुनंदन शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अम्बरिस राय, कांग्रेस में शामिल हुए। इससे पहले बजरंग सेना के पदाधिकारियों को पीसीसी चीफ कमलनाथ को गंदा भेंट की।

बजरंग सेना के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी और दीपक जोशी भगवा ध्वज के साथ पैदल रैली के रूप में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। यहां रैली का स्वागत पीसीसी चीफ कमलनाथ ने किया। जिसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके बाद बजरंग सेना के पदाधिकारी कांग्रेस में शामिल हुए। इस अवसर पर पीसीसी चीफ कमलनाथ ने जयश्रीराम का उद्घोष करते हुए बजरंग सेना का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आप कांग्रेस नहीं सच्चाई का साथ दे रहे है।

उन्होंने कहा कि शिवराज जी को अब बहनों की, नौजवानों की और कर्मचारियों की याद आने लगी है, अब तक 20 हजार से ज्यादा घोषणाएं वे कर चुके हैं, जिनका जमीन पर कोई अता-पता नहीं है, 18 वर्ष की भाजपा सरकार का पाप का घड़ा भर गया है और इसी पाप को धोने का अब काम शिवराज जी डबल स्पीड की झूठी घोषणा मशीन चलाकर और जगह-जगह नारियल फोड़कर कर रहे हैं, लेकिन अब उनकी यह झूठ की मशीन काम करने वाली नहीं है, क्योंकि जनता ने अब उनकी झूठी सत्ता को समाप्त करने का मन बना लिया है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से भारत की संस्कृति और संविधान के साथ चलने का रहा है। मुझे आप सभी पर पूरा विश्वास है कि आप मप्र का भविष्य सुरक्षित रखेंगे।

बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनीश पटेरिया ने कांग्रेस में विलय पर कहा कि सभी पदाधिकारी और हजारों की संख्या में प्रदेश भर से आये कार्यकर्ताओं ने कमलनाथ जी की भावनाओं और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को अपनाया है, हम सभी विश्वास दिलाते हैं कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की छल-कपट, धोखे और फरेब की सरकार को जमींदोज कर कमलनाथ जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाने के लिए दृढ़संकल्पित है।

विदेश में बयान देकर देश की छवि खराब कर रहे राहुल : बृजेश पाठक

झांसी, 06 जून (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि विदेश में जाकर बयान देकर राहुल गांधी भारत की छवि को चोट पहुंचा रहे हैं। ये दुखद है। हिंदुस्तान के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। हिंदुस्तान में रहकर भारत को मजबूत करने की बजाय वो इस तरह के कृत्यों को करते रहते हैं, जिसे जनता ने कभी स्वीकार नहीं किया है। ये बातें उपमुख्यमंत्री ने दीनदयाल सभागार में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं।

डिप्टी सीएम ने सपा प्रमुख द्वारा भाजपा की सरकार में भाजपा सांसद द्वारा पुलिस को पीटने के बयान पर पलटवार किया। बृजेश पाठक ने कहा कि सपा क्या करती रही है, ये पूरे प्रदेश की जनता जानती है। अखिलेश यादव अपने गिरेबां में झांककर नहीं देखेंगे। भाजपा पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ रही है। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं।

कहा कि केंद्र सरकार के नौ साल में देश और प्रदेश में बदलाव देखने को मिला है। हर गरीब को पक्का मकान और शौचालय मिला है। जल जीवन मिशन के तहत नल और सौभाग्य योजना के तहत निशुल्क विद्युत कनेक्शन मिले हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को पांच लाख रुपये के निशुल्क इलाज की सुविधा दी है। किसानों को किसान सम्मान निधि मिली है। गरीब आदमी के जीवन स्तर में बदलाव लाने में मोदी सरकार सफल हुई है।

गहलोत ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा- सरकार में बैठे लोगों को आलोचना सुनना पसंद नहीं

जयपुर, 06 जून (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और उसके नेताओं पर निशाना साधा है।

अशोक गहलोत ने भाजपा और उसके नेताओं पर निशाना साधते हुए, मंगलवार को कहा कि आज दिल्ली में सत्ता में बैठे हुए लोगों को आलोचना सुनना पसंद नहीं है जबकि आलोचना तो लोकतंत्र का गहना है।

गहलोत ने यह भी कहा कि कांग्रेस वालों को इस तरह से बदनाम किया जा रहा है जैसे वे तो हिंदू ही नहीं हैं।

वह यहां राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ, जयपुर के कृषि उत्पाद व्यापार भवन के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने अपनी सरकार द्वारा गायों तथा गौशालाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं एवं अनुदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, गोविंददेवजी मंदिर में 100 करोड़ रुपए की लागत से शानदार कॉरिडोर बनेगा। कोई कमी नहीं है.... पर हमें.., कांग्रेस वालों को इस प्रकार बदनाम किया जा रहा है जैसे कांग्रेस वाले तो हिंदू हैं ही नहीं। यह गलत है।

गहलोत ने कहा, हमारी कोई दुश्मनी नहीं है भाजपा व आरएसएस से। लोकतंत्र में लड़ाई विचारधारा की होती है। सबको साथ लेकर चलना पड़ता है, सबकी बात सुननी पड़ती है, आलोचना बर्दाश्त करना पड़ता है। दुर्भाग्य से आज जो दिल्ली में सत्ता में बैठे हुए लोग हैं, उनको आलोचना सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है जबकि आलोचना लोकतंत्र का गहना है।

भाजपा नेताओं द्वारा 'कांग्रेस मुक्त भारत' की बात किए जाने का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा, विपक्ष होना ही नहीं चाहिए, तो कांग्रेस मुक्त कर दो। विपक्ष के बिना, पक्ष क्या होगा? पक्ष तो तब होगा जब विपक्ष होगा। देश में जो माहौल है उसे लोगों को समझना पड़ेगा।

कांग्रेस नेता ने कहा, हमारी सोच व उनकी सोच में यही फर्क है कि हम सबको साथ लेकर चल रहे हैं। वे कहते जरूर हैं सबका साथ सबका विकास... (लेकिन) उनकी कथनी और करनी में अंतर है। हम कहते हैं सबका साथ, सबका विकास... उसके आधार पर ही हम चलना चाहते हैं। हमारी नीतियां, हमारे कार्यक्रम वही हैं जो (महात्मा) गांधी जी के दिए हुए हैं। गहलोत ने 2030 तक राजस्थान को देश का 'नंबर वन' राज्य बनाने का आह्वान करते हुए, कहा, हमें सपना देखना चाहिए कि 2030 तक राजस्थान देश में नंबर वन राज्यों की श्रेणी में आ जाए। (यह) आ सकता है ... हमने एक के बाद एक शानदार फैसले किए हैं।

राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में दोबारा कांग्रेस सरकार बनने की उम्मीद जाते हुए गहलोत ने कहा मुझे लगता है कि इस बार (राज्य में) सरकार रिपीट हो सकती है। यह मैं महसूस करता हूं, हालांकि यह फैसला मतदाताओं को करना है।

सीबीआई ने कहा, एफआईआर में रेलकर्मियों की संलिप्तता की अभी बात नहीं

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को कहा कि उसे बालासोर ट्रेन दुर्घटना के संबंध में दर्ज प्राथमिकी की एक प्रति मिली है, जिसमें 275 लोग मारे गए थे। इस प्राथमिकी से रेलवे कर्मचारियों की संलिप्तता का पता नहीं चलता, यह तो जांच से ही पता चलेगा।

कटक के ओपीएस एसडीआरपीओ रंजीत नायक की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें कहा गया है कि 2 जून को शाम 6:55 बजे ट्रेन संख्या-12841 हावड़ा-चैनल कोरोमंडल एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या-12864 यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस के बीच टक्कर के कारण दोनों ट्रेनों के डिब्बे पलट गए, जिससे सैकड़ों यात्रियों की मौत हो गई।

प्राथमिकी में कहा गया है, मृतकों के शवों को डीएचएच बालासोर, डीएचएच भद्रक, सीएचसी सोरो और अन्य अस्पतालों के शवगृह में भिजवा दिया गया है, बचाव कार्य अभी भी जारी है। इस रिपोर्ट के आधार पर जो एक सं'ज्ञेय मामले का खुलासा करती है, आईपीसी की धारा 337, 338, 304ए और 34 और रेलवे अधिनियम की धारा 153, 154 और 175 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

प्राथमिकी में यह भी उल्लेख किया गया है कि रेलवे कर्मचारियों का दोष अभी निर्धारित नहीं किया गया है और यह जांच के दौरान स्थापित किया जाएगा।

सीबीआई ने कहा कि उसने रेल मंत्रालय के अनुरोध पर और ओडिशा सरकार की सहमति से मामला दर्ज किया है।

सीबीआई ने कहा, यह घटना 2 जून, 2023 को कोरोमंडल एक्सप्रेस, यशवंतपुर-हावड़ा एक्सप्रेस और बालोरोर के बहनागा बाजार में एक मालगाड़ी के बीच हुई ट्रेन दुर्घटना से संबंधित है।

सीबीआई के एक अधिकारी ने कहा कि एजेंसी ने बालासोर जीआरपीएस में पहले से दर्ज जांच को अपने हाथ में ले लिया है। सीबीआई की एक टीम पहले से ही बालासोर में मौजूद है।

रविवार को रेलवे बोर्ड ने बालासोर ट्रेन हादसे की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा था कि परिस्थितियों, स्थिति और प्रशासन से मिली जानकारी को देखते हुए रेलवे बोर्ड सीबीआई जांच की सिफारिश कर रहा है।

राजनाथ सिंह ने जर्मन समकक्ष से अहम मुलाकात, यूपी-तमिलनाडु में डिफेंस कॉरिडोर में निवेश का दिया न्यौता

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को अपने जर्मनी के समकक्ष बोरिस पिस्टोरियस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मंत्रियों ने चल रही द्विपक्षीय रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने खासतौर पर रक्षा औद्योगिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री सिंह ने उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो रक्षा औद्योगिक गलियारों (कॉरिडोर) में जर्मनी के निवेश की संभावनाओं सहित रक्षा उत्पादन क्षेत्र में खोले गए अवसरों पर प्रकाश डाला। भारतीय रक्षा उद्योग, जर्मनी के रक्षा उद्योग की आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन) में भाग ले सकता है। जर्मनी के रक्षा मंत्री पिस्टोरियस ने करीब 43,000 करोड़ रुपये की लागत से छह स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियां खरीदने की भारत की मेगा योजना में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। पिस्टोरियस के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत और जर्मनी साझा लक्ष्यों और ताकत की पूरकता के आधार पर 'अधिक सहजीवी' रक्षा संबंध बना सकते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश व तमिलनाडु में रक्षा गलियारों में जर्मनी के निवेश को आमंत्रित किया।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों रक्षा मंत्रियों ने हिंद-प्रशांत और अन्य क्षेत्रों में चीन की बढ़ती आक्रामकता समेत क्षेत्रीय सुरक्षा स्थितियों की भी समीक्षा की। पिस्टोरियस चार दिन की भारत यात्रा पर सोमवार को दिल्ली पहुंचे। वर्ष 2015 के बाद किसी जर्मन रक्षा मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रक्षा उद्योग, जर्मनी के रक्षा उद्योग की आपूर्ति श्रृंखलाओं में भाग ले सकता है और आपूर्ति श्रृंखला में योगदान देने के अलावा पारिस्थितिकी तंत्र में मूल्य जोड़ सकता है।

बताया जा रहा है कि बातचीत में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और दुनिया पर इसके प्रभावों को लेकर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि करीब 43,000 करोड़ रुपये की लागत से छह स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियां खरीदने की भारत की योजना पर बातचीत हुई और पिस्टोरियस ने परियोजना में जर्मनी की दिलचस्पी दिखाई। अनुबंध के दावेदारों में से एक जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) कंपनी भी शामिल है। रक्षा मंत्रालय ने जून 2021 में भारतीय नौसेना के लिए घरेलू स्तर पर छह पारंपरिक पनडुब्बियों के निर्माण की मेगा परियोजना को मंजूरी दी थी। पनडुब्बियों का निर्माण बहुचर्चित रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत किया जाएगा।

रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। जर्मनी की ओर से रक्षा मंत्रालय के विदेश सचिव बेनेडिक्ट जिमर के अलावा कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी पिस्टोरियस के साथ थे। वार्ता से पहले जर्मनी के रक्षा मंत्री को तीनों सेनाओं का गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पिस्टोरियस का बुधवार को मुंबई जाने का कार्यक्रम है जहां उनका पश्चिमी नौसेना कमान और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के मुख्यालय जाने का कार्यक्रम है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

पश्चिम मेदिनीपुर निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 63J 52391 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''मेरे पास डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देने के शब्द कम पड़ रहे हैं, जिन्होंने मुझे एक करोड़पति बना दिया है। मैंने इस विशाल पुरस्कार रकम की अपेक्षा नहीं की थी। यह मेरे तथा मेरे परिवार के सदस्यों के लिए ईश्वर का एक उपहार है। यह विशाल पुरस्कार राशि हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार करेगी तथा हमें जीवन में कुछ बचत करने लायक भी बनाएगी।'' विजेता ने कहा।

पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल के श्री लक्ष्मीकांत महाता ने 27.03.2023 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com